■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक-41)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 13 नवंबर, 2023

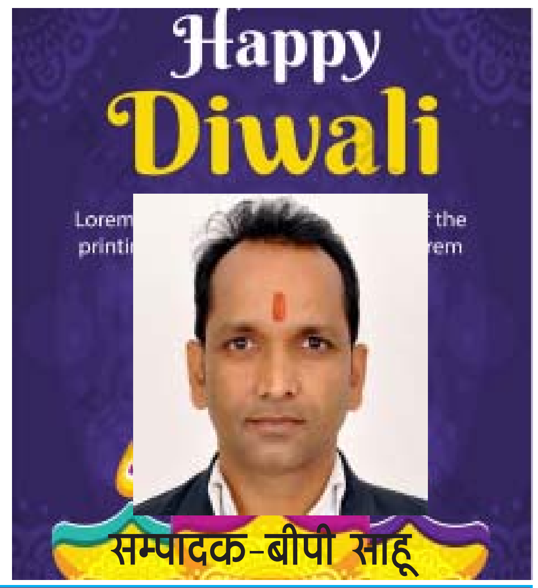

▶ अपने ही मर्डर के केस की सुनवाई में पहुंचा लड़का ▶ जब जबरियन साधुओं की जटाएं काटी गईं अयोध्या में ▶ बीपीएस न्यूज परिवार की ओर से हैप्पी दीवाली

कांग्रेस ने हमेशा किया भारतीय संस्कृति का अपमान: अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज मध्य प्रदेश के दौरे पर हैं। मध्य प्रदेश के मनावर में जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इस बार मध्य प्रदेश 3 दीपावली मनाएगा। एक दीपावली कल मनाएंगे, दूसरी 3 दिसंबर को यहां भाजपा सरकार बनने के बाद और तीसरी दीपावली आपको 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मनानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा भारतीय संस्कृति का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने अयोध्या में राम मंदिर बनाने का मार्ग प्रशस्त किया, महाकाल लोक बनाया, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाया, बाबा केदार धाम और मां विंध्यवासिनी के तीर्थ क्षेत्र बनाएं, करतारपुर साहिब कॉरिडोर बनाया, कश्मीर में मां शारदा पीठ की फिर से पुन: प्रतिष्ठा की और नए संसद भवन में सेंगोल लगाकर भारतीय संस्कृति का सम्मान करने का काम किया।

अमित शाह ने कहा कि एक ओर मोदी जी देश भर के सभी सांस्कृतिक स्थानों को पुनर्जीवित कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस राजा भोज के नाम पर चलने वाली मेट्रो का विरोध करती है, सागर में संत रविदास के मंदिर का विरोध करती है और तो और मां नर्मदा के जयकारे से भी उन्हें तकलीफ है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी को कांग्रेस ने यहां अपना नेता बनाया है। लेकिन वो आपके भले के लिए काम नहीं करेंगे। क्योंकि उनके मन में है नकुलनाथ को मुख्यमंत्री बनाना और सोनिया गांधी जी के मन में है, राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जो अपने बेटे-बेटियों के लिए काम करते हैं वो देश और प्रदेश का कभी भला नहीं कर सकते।

भाजपा नेता ने कहा कि मध्य प्रदेश में 3 परिवार है – कमलनाथ जी का, बंटाधार दिग्विजय जी का, तीसरा है राहुल और सोनिया गांधी का गांधी परिवार। हमारे यहां कहा जाता है कि तीन तिगाडा, काम बिगाड़ा। उन्होंने कहा कि यहां आदेश गांधी परिवार का चलता है, निर्देश कमलनाथ जी का चलता है और गलती होने पर चांटा दिग्विजय सिंह को लगा देते हैं। ये कपड़ा फाड़ राजनीति मध्य प्रदेश का भला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दलित और आदिवासी विरोधी हैं। ये इतने साल सत्ता में रहे, लेकिन इन्होंने कभी भी किसी ट्राइबल को राष्ट्रपति नहीं बनाया। मोदी जी ने उड़ीसा की गरीब घर की ट्राइबल बेटी द्रौपदी मुर्मू जी को महामहिम राष्ट्रपति बनाकर, देश भर के आदिवासियों का सम्मान बढ़ाया।

छत्तीसगढ़ में बोले राजनाथ- राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस के शासन में छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। राजनाथ सिंह ने सीतापुर विधानसभा क्षेत्र में एक रैली में आरोप लगाया कि मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में बढ़ी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वामपंथी उग्रवाद बढ़ा है। अगर भाजपा सत्ता में आई तो इसे तीन-चार वर्ष में समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर भाजपा छत्तीसगढ़ में सत्ता में आई तो धर्मांतरण (जबरन) पर रोक लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री बनने के बाद क्या हुआ वो आप जानते हैं...ऐसी भूखी और भ्रष्ट सरकार आपने कभी नहीं देखी होगी...अब महादेव जी आ गए हैं और लगता है कि महादेव जी ने तय कर लिया है कि इस भ्रष्ट सरकार को यहां से जाना चाहिए और भाजपा सरकार यहां आनी चाहिए।

कथित घोटालों को लेकर भूपेश बघेल सरकार पर निशाना साधते हुए सिंह ने कहा, कांग्रेस सरकार ने राज्य में एक भी विकास कार्य नहीं किया है। अगर जनता से इस सरकार का रिपोर्ट कार्ड मांगा जाए तो रिपोर्ट कार्ड में जीरो बटे सन्नाटा होगा।

संपादकीय

मुफ्त का राशन

ऐसे वक्त में जब पांच राज्यों के चुनाव सिर पर हैं और देश आम चुनावों की ओर बढ़ रहा है छत्तीसगढ़ के चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि देश के 80 करोड़ लोगों को दिया जाने वाला मुफ्त राशन अगले पांच साल तक मिलता रहेगा। कोरोना काल में तीन महीने के लिये शुरू हुई इस योजना में अब तक छह बार अवधि बढ़ाई गई है लेकिन इस बार इसे सीधे पांच साल तक के लिये बढ़ाया गया है। निस्संदेह, जरूरतमंदों व समाज के वंचित लोगों को सरकार की ओर से संबल मिलना चाहिए ताकि भूख व कुपोषण के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा सके। लेकिन यह प्रयास महज राजनीतिक उद्देश्यों के लिये भी नहीं होना चाहिए। यह घोषणा तब हुई जब छत्तीसगढ़ में चुनाव के चंद दिन बाकी हैं। वहीं दूसरी ओर यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि समाज के आर्थिक दृष्टि से सक्षम लोग इस योजना का दुरुपयोग न करें। विगत में ऐसे मामले भी प्रकाश में आए हैं जब समाज के सक्षम व आर्थिक दृष्टि से बेहतर लोग व्यवस्था की विसंगतियों का लाभ उठाकर मुफ्त राशन ले रहे थे। जाहिर है इस चुनावी वेला में इस दिशा में जांच-पड़ताल की संभावना कम ही होगी क्योंकि इस घोषणा के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की तार्किकता को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। क्या यह घोषणा विपक्षी दलों की गारंटी योजना व मुफ्त की योजनाओं के मुकाबले के लिए है?

बहरहाल, इस साल दिसंबर तक पूरी हो रही योजना के अगले पांच सालों तक जारी रहने का बड़ा दबाव देश के अन्न भंडारण पर पड़ सकता है। दरअसल, यह योजना 2020 में तब शुरू हुई थी जब कोरोना संकट के चलते उत्पन्न विषम स्थितियों में एक बड़ी आबादी के सामने खाने-पीने का संकट पैदा हो गया था। लेकिन सामान्य स्थिति में इस योजना को लगातार आगे बढ़ाने की तार्किकता भी होनी चाहिए। उल्लेखनीय है योजना में हर माह पांच किलो गेहूं या चावल और एक किलो दाल मुफ्त दी जाती है। आशंका जतायी जा रही है कि कहीं इस योजना के चलते देश में एक बड़ी आबादी में अकर्मण्यता की सोच विकसित न हो जाए। कहा जा रहा है कि हाल के दिनों में मनरेगा जैसी योजनाओं में पंजीकरण में कमी आई है। निस्संदेह, मुफ्त की प्रवृत्ति व्यक्ति की क्रियाशीलता को प्रभावित करती है। तार्किक बात तो यह है कि समाज के कमजोर वर्ग को संसाधन व आर्थिक रूप से ऐसी मदद की जानी चाहिए ताकि वे स्वावलंबी बन सकें। फिर आत्मनिर्भर बनकर देश की उत्पादकता में योगदान कर सकें। भारत युवाओं का देश है। इस देश की युवा शक्ति, चाहे वह वंचित समाज या कमजोर वर्ग से हो, श्रमशील बननी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अस्सी करोड़ की आबादी एक बड़ी संख्या होती है, जो दुनिया के दर्जनों देशों की आबादी के बराबर होगी। सवाल यह भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी यदि हमें अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देना पड़ रहा है तो तरक्की के दावों की सार्थकता क्या है?

बाजार मुस्कुराया पर महंगाई की फिक्र

कानून की भाषा में गारंटी का सामान्य अर्थ तो यही है कि यदि गारंटी पूरी न हुई तो गारंटी देने वाला कुछ हर्जाना भरेगा। लेकिन आज तक किसी नेता को ऐसा कोई हर्जाना भरते हुए देखा तो नहीं गया, हां, ऐसे आश्वासनों और गारंटियों से मतदाता छला अवश्य जाता रहा है। सच बात तो यह है कि नेता भी जानते हैं कि वह जनता को झांसा दे रहे हैं और जनता भी समझती है कि उसे भरमाने की कोशिश हो रही है। रूसी नेता निकिता खुश्चेव ने एक बार कहा था, 'सब राजनेता एक से होते हैं, वे वहां भी पुल बनाने का आश्वासन दे सकते हैं जहां नदी ही न हो!'

दीपावली त्योहार के इन दिनों में शहरी और ग्रामीण बाजारों में बढ़ती मांग और उत्साह का सुकून दिखाई दे रहा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईआई) की ताजा रिपोर्ट बताती है कि महंगाई में आई कमी से कच्चे माल की लागत एक-तिहाई घट गई है। पिछले माह अक्तूबर, 2023 में ई-वे बिल या इलेक्ट्रॉनिक परमिट जनरेशन का आंकड़ा 10.3 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। किसी माल को राज्य के भीतर और बाहर भेजने के लिए कारोबारी ऑनलाइन ई-वे बिल निकालते हैं। करीब 50 हजार रुपये से ज्यादा का माल दूसरी जगह भेजने के लिए ई-वे बिल निकालना जरूरी है। ई-वे बिल की संख्या में वृद्धि अर्थव्यवस्था में मांग और आपूर्ति बढ़ने के रुझान का प्रारंभिक संकेत मानी जाती है। इस समय देश की कंपनियों का मुनाफा भी बढ़ गया है। घरेलू निवेशकों के दम पर शेयर बाजार लगातार बढ़ रहा है।

यकीनन यह कोई छोटी बात नहीं है कि इन दिनों जहां कच्चे तेल की कीमतें ऊंचाई पर हैं तथा वैश्विक खाद्यान्न संकट से वैश्विक महंगाई बढ़ी हुई है और दुनिया के बाजार ढहते हुए दिखाई दे रहे हैं, वहीं ऐसी प्रतिकूलताओं के बीच भी भारत के बाजारों में रौनक दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि अक्तूबर, 2023 में प्रकाशित केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक थोक एवं खुदरा महंगाई के सूचकांक महंगाई में कमी का संकेत दे रहे हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में यह कमी इस बार सूचकांक से तय होने वाली इस दर में अनाज, सब्जी, परिधान, फुटवियर, आवास एवं सेवाओं की कीमतों में आई गिरावट की वजह से हुई है। साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की क्रयशक्ति बढ़ी है।लेकिन महंगाई की आशंका के मद्देनजर सरकार महंगाई नियंत्रण के लिए रणनीतिक कवायद करते हुए दिखाई दे रही है। 6 नवंबर को केंद्र सरकार ने भारत आटा नाम ब्रांड से देशभर में 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर गेहूं के आटे की बिक्री शुरू कर दी है। 28 अक्तूबर को महंगाई रोकने के मद्देनजर केंद्र सरकार ने वादा कारोबार पर अंकुश के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

इसके तहत सेबी ने सात तरह की एग्री कमोडिटी के वायदा कारोबार पर पाबंदी को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। इनमें गेहूं, सरसों, चना और मूंग जैसे अनाजों के साथ ही तिलहन में सोयाबीन, क्रूड पाम (सीपीओ) के साथ गैर-बासमती ट्रेडिंग शामिल है। इन सभी एग्री कमोडिटी के वायदा कारोबार पर दिसंबर, 2024 तक पाबंदी जारी रहेगी। अभी दिसंबर, 2023 में पिछले आदेश के अनुसार प्रतिबंध खत्म हो रहा था। उल्लेखनीय है कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई कोविड के दौर में तेजी से बढ़ी थी। इसके बाद सरकार ने सोयाबीन के बाद गेहूं, चना और अन्य तेल के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का उद्देश्य वायदा कारोबार में मनमानी तेजी-मंदी को रोककर हाजिर बाजार में स्थिरता लाना है।

इसी तरह देशभर में प्याज की आपूर्ति में कमी के कारण प्याज के खुदरा मूल्य के ऊंचाई पर पहुंचने के मद्देनजर 28 अक्तूबर को केंद्र सरकार ने प्याज के बढ़ते मूल्य पर अंकुश लगाने और घरेलू बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य तय कर दिया है। अब 800 डालर प्रति टन से कम मूल्य पर प्याज का निर्यात नहीं किया जा सकेगा। यह न्यूनतम निर्यात मूल्य 31 दिसंबर, 2023 तक के लिए तय किया गया है। सरकार ने कीमतों पर अंकुश के लिए बफर स्टाक से कम मूल्यों पर प्याज की खुदरा बिक्री भी बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने बफर के लिए अतिरिक्त 2 लाख टन प्याज की खरीद की भी घोषणा की है।

गौरतलब है कि सरकार महंगाई नियंत्रण के लिए मौद्रिक आयात नियंत्रण और स्टॉक सीमा निर्धारण के उपायों को भी अपना रही है। 6 अक्तूबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार चौथी बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय लिया है। खुदरा महंगाई के तय दायरे से अधिक होने के कारण रिजर्व बैंक ने यह फैसला लिया है। जब महंगाई ज्यादा होती है तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में मुद्रा प्रवाह को कम करने की रणनीति अपनाता है। आरबीआई के रेपो रेट स्थिर रखने के फैसले से फिलहाल मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा और महंगाई में नरमी आएगी। केंद्र सरकार ने विगत 29 अगस्त को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपये घटाकर भी बड़ी राहत दी है।केंद्र सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के निर्यात पर लगातार सख्ती बरती जा रही है। पिछले साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद कम उत्पादन के कारण गेहूं के निर्यात पर जो पाबंदी लगाई थी, वह अब तक जारी है। सरकार ने बासमती चावल के निर्यात के लिए 1200 डॉलर प्रति टन को न्यूनतम मूल्य तय किया है। प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाया है। सरकार ने उबले चावल के निर्यात पर भी 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। गेहूं और चावल की बढ़ती कीमतों को काबू करने की कोशिश में सरकार जुटी हुई है। इसलिए सरकार ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के जरिए रियायती दर पर गेहूं और चावल दोनों बेच रही है। इसी तरह सब्जियों, दालों और तिलहन के दाम काबू में रखने के लिए भी उपाय किए गए हैं। यह निर्धारित हुआ है कि दाल के थोक व्यापारी या बड़ी रिटेल चेन अधिकतम 50 टन तुअर और 50 टन उड़द स्टॉक में रख सकेंगे। वहीं सभी खुदरा व्यापारियों के लिए यह सीमा पांच-पांच टन की होगी। दाल आयातक पोर्ट से दाल मिलने के बाद अधिकतम 30 दिनों तक ही दाल को अपने पास रख सकेंगे। आगामी 31 दिसंबर तक दाल की स्टॉक नियम का पालन करना होगा।इस समय खासतौर से गेहूं के दाम नियंत्रण के लिए खुले बाजार में मांग की पूर्ति के अनुरूप इसकी अधिक बिक्री जरूरी है। आटा मिलों को अधिक मात्रा में गेहूं देना होगा। साथ ही गेहूं के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दिए जाने की जरूरत है। यह भी ध्यान में रखा जाना होगा कि इस वर्ष सरकार 341 लाख टन के मुकाबले किसानों से 262 लाख टन गेहूं ही खरीद पाई है। यह भी ध्यान रखा जाना होगा कि एक अक्तूबर तक सरकारी गोदामों में गेहूं का स्टॉक करीब 240 लाख टन था जो पिछले 5 साल के औसत करीब 376 लाख टन से की कम है।

निश्चित रूप से दीपावली त्योहार से जो बाजार मांग वृद्धि शुरू हुई है, वह आगे भी बनी रहने की अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। पर यह जरूरी होगा देश में जमाखोरी करने वालों के खिलाफ तेज कार्रवाई जारी रहे। अतिरिक्त नकदी की निकासी पर रिजर्व बैंक को ध्यान देना होगा। आवश्यक खाद्य पदार्थों के उपयुक्त रूप से आयात की रणनीति से मजबूत आपूर्ति से खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी को नियंत्रित किया जाना होगा। खासतौर से खाद्य सामग्रियों की महंगाई नियंत्रण के लिए नई कारगर रणनीति के तहत सरकार और रिजर्व बैंक को कीमत निर्धारण से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों के साथ सामंजस्य से आगे बढ़ना होगा।

लोगों को सताने लगा ग्लोबल वार्मिंग का खतरा, प्रदूषण पर हाहाकार!

दिवाली आते ही सबको प्रदूषण की चिंता सताने लगती है। प्रदूषण मापक इंडेक्स लगातार चिल्ला चिल्ला कर कहता है कि मै औकात से ऊपर हो रहा। इतना ही नहीं दिलवालों कि दिल्ली का हाल तो सबसे बुरा और उसपर हरियाणा और पंजाब की पराली ने जीना दुभर कर दिया तो समझिए आप ने जिंदगी जी ही लिया। अब ऐसे में होली दिवाली और मनाली की बात हो और प्रदूषण पर चर्चा ना हो ऐसा हो सकता है क्या ! छोटे राज्यों में छोटी लाइन की छुक छुक रेलगाड़ी से दोपहर को रवाना होते और धुंधलका होते होते गंतव्य तक पहुंच जाते लोग रास्ते में रेलवे लाइन के दोनों तरफ धान के खेतों में बची फसल के ठूंठ (पराली या पुआल) जलते देख विडिओ बनाते है । जले खेतों को देखकर ऐसा लगता जैसे कोई चित्रकार डूबते सूरज की नारंगी रोशनी के बीच काजल की लकीर खींच गया हो।हरिनाथ मौसी का घर स्टेशन के पास ही था सो अम्मा तो समान के साथ रिक्शे से आतीं लेकिन हम पैदल ही घर को चल देते। रास्ते में रेलवे क्वार्टर पड़ते और उनके बाहर कोयले की अंगीठियां सुलगती दिखाई पड़ती जो रात का खाना तैयार करने के लिए जलाई जा रही होती। अंगूठियों से उठता धुंआ घरों की छत की ऊंचाई पर जा कर ठहर जाता जिससे कुछ कुछ कोहरे जैसा अहसास होता। तब तक हमने न तो फॉग का नाम सुना था और न ही स्मॉग का। शाम की खुनकी, हवा में कोयले की गंध, हाथ भर की ऊंचाई पर अटका धुआं और अंगीठी से उठती मंद मंद आंच यह अहसास कराती की जाड़ा बस आने ही वाला है।

पहले घरों में एसी कूलर होना तो कल्पना से भी परे बात थी लेकिन जो पंखे थे वोह भी मौसम में बदलाव को देखते हुए धीमे कर दिए जाते। गर्मियों में रात को खुले में सोने वाले अब बरामदों में अपनी चारपाइयां खिसका लेते। बड़े बुजुर्ग अपनी मिरजई और टोपी बक्से से निकाल कर धूप दिखा लेते। शाम जल्दी ढाल जाती तो रात भी जल्दी हो जाती और नौ बजते बजते लोग बिस्तरों में दुबकने लगते। रात को

पंकज कुमार मिश्रा,
मिडिया विश्लेषक एवं
पत्रकार जौनपुर यूपी

अब ऐसे में होली दिवाली और मनाली की बात हो और प्रदूषण पर चर्चा ना हो ऐसा हो सकता है ज़्या ! छोटे राज्यों में छोटी लाइन की छुक छुक रेलगाड़ी से दोपहर को रवाना होते और धुंधलका होते होते गंतव्य तक पहुंच जाते लोग रास्ते में रेलवे लाइन के दोनों तरफ धान के खेतों में बची फसल के ठूंठ (पराली या पुआल) जलते देख विडिओ बनाते है।

अब कुल्फी वालों की जगह मूंगफली और रेवड़ी वाले आवाज लगाते। वोह अपने सर पर थाल रखते जिसमें समान के बीच एक तेल की कुप्पी जलती होती। अंधेरे में चलते तो ऐसा लगता जैसे कोई भूत आ रहा हो। दिन में हम सिंघाड़े, शरीफा, खील, नए गुड़ का मजा लेते। सुबहें अब थोड़ा देर से होतीं। सुबह टहलने निकलो तो खुले में लगे पौधों पर ओस चमकती दिखती और शाम को जो धुआं हमारे सिरों की ऊंचाई पर अटका दिखता वोह सुबह तक इस ओस में घुल चुका होता जिससे सूरज फिर चटखीला दिखता। समय बदला तो मौसम भी बदला। सन 2000 तक जिस ग्लोबल वार्मिंग को हम सिर्फ किताबों में पढ़ रहे थे अब वोह हमारे सामने हैं। अब दशहरे में कोई गुलाबी जाड़ा नहीं पड़ता। दिवाली तक तो एसी चलते रहते हैं। हाफ स्वेटर तो दूर अभी हाफ टी शर्ट से ही छुटकारा नहीं मिल पाया है। हवा की ऊपरी सतह अभी इतनी गर्म है कि जल वाष्प ठंडी ही नहीं हो पा रही है जिससे ओस भी नहीं पड़ रही नतीजा यह कि धुआं ओस के साथ घुल कर वापस जमीन पर नहीं गिर रहा। खेतों में पराली तो किसान हमेशा से ही जलाते आए हैं। आज के मुकाबले पहले हर रसोई में लकड़ी और कोयला जलता था। दशहरे पर ही ईंट भट्ठे शुरू होते और भाड़ लगते। धुआं छोड़ती रेलगाड़ियां, शुगर मिलों की चिमनियां और दूसरे कारखानों में भी कोयला और लकड़ी का इस्तेमाल होता। फिर भी कहीं स्मॉग का नामो निशान नहीं था तो अब क्यों हर दिवाली से पहले हमारे शहर गैस चैंबर बन जाते हैं ?वजह सिर्फ एक है कि अब मैदानी इलाकों में बारिश कम होने लगी है और ठंड देर से पड़ती है। जिस वजह से ओस नहीं बनती और वातावरण में धुआं बना रहता है। पराली और पटाखों को मुजरिम ठहराना बंद कीजिए। असल दोष ग्लोबल वार्मिंग का है जो हमारी हरकतों की वजह से बढ़ती जा रही है। कंक्रीट से होता अंधाधुंध विकास, पेड़ काट कर बने चौड़े हाईवे, लाखों गाड़ियों, करोड़ों एयर कंडीशनर मौसम को निगल चुके हैं। इसकी आदत डाल लीजिए क्योंकि देश में अब बस स्मॉग ही चलेग और वो ऐड की देश में फॉग चल रहा।

स्मार्टफोन पाकर खिले छात्रों के चेहरे

कानपुर। अरमापुर पीजी कॉलेज में प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयुध निर्माणी के कार्यकारी निदेशक अजय सिंह एवं विद्यालय के प्राचार्य मुकेश कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि द्वारा स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को इसके सकारात्मक प्रयोग हेतु प्रेरित किया। मुख्य अतिथि ने अरमापुर के विभिन्न स्थानों पर अच्छी व आकर्षक चित्रकला किए जाने के लिए छात्र-छात्राओं की प्रशंसा करते हुए चित्रकला विभाग के होनहार बच्चों को शील्ड, प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सौरभ मिश्रा (उप महाप्रबंधक) प्रशासन, विद्यालय के सचिव अनुज शेखर, विजय मिश्रा, केएन मिश्रा, विशाल सक्सेना, उमेश चंद्र, प्रेम प्रताप पाल, निशी द्विवेदी, सारिका वाजपेई, कपिल दिक्षित , विनय अवस्थी आदि के साथ विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य गण भी उपस्थित रहे।

पारिवारिक थ्रिलर कॉमेडी फिल्म 'अजब तमाशा'

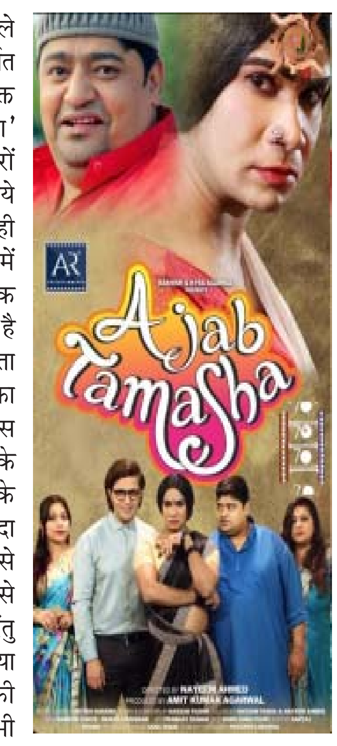

ए आर एंटरटेनमेंट बैनर तले अमित कुमार अग्रवाल द्वारा निर्मित पारिवारिक थ्रिलर ड्रामा युक्त कॉमेडी फिल्म 'अजब तमाशा' पूरे भारत में कई सिनेमा थिएटरों और मल्टीप्लेक्स में रिलीज किये जाने के बाद से धमाल मचा रही है। नईम अहमद के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी एक सीधा सादा इंसान बबलू की है जो अक्सर कई चीजें भूल जाता है, जिसके कारण वह और उसका परिवार अक्सर समस्याओं में फंस जाता है। इस बार वह अपने इलाके के नवाब और उसके परिवार के लिए बहुत सारी समस्याएं पैदा करता है। बब्लू के इस कृत्य से नवाब नाराज़ हो जाता है और उसे सबक सिखाना चाहता है परंतु संयोग से नवाब एक बड़ी समस्या में फंस जाता है। बबलू नवाब की मदद करता है और उसकी सभी समस्याओं को बहुत ही हास्यपूर्ण और अप्रत्याशित तरीके से हल करता है। उत्कृष्ट प्रस्तुतिकरण की वजह से सिनेदर्शकों का भरपूर प्यार इस फिल्म को मिल रहा है। रामू गडुथुरी के कलात्मक सिनेमेटोग्राफी से सजी इस कॉमेडी फिल्म के एडिटर सरताज, बीजीएम गणेश सुर्वे व मुकुल काशीकर, प्रोडक्शन हेड सना शेख और संगीतकार सतीश शर्मा हैं और इस फिल्म का पी आर एवं मार्केटिंग 70 एम.एम मीडिया द्वारा किया गया है।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

महिला सैनिकों को दिपावली के पहले बहुत बड़ा तोहफा!

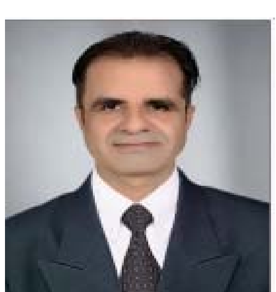

गोंदिया । वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां जानती है कि भारत में महिलाओं का सम्मान और लेडीज फर्स्ट की भावना का सम्मान सबसे अधिक किया जाता है। यहां महिलाओं को दैव्य शक्ति के रूप में माना जाता है जो आदि अनादि काल से है, इसलिए ही यहां सरकारों द्वारा महिला सुविधाओं को महत्व दिया जाता है परंतु कुछ वर्षों से महिलाओं को विशेष रूप से सुविधाए दी जा रही है, जैसे उज्जवला योजना लाडली बहन योजना सहित अनेक योजनाएं हैं और अभी संसद के विशेष सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023अभूतपूर्व उपलब्धि के साथ संसद के दोनों सत्रों में पारित किया गया और अभी दिनांक 5 नवंबर 2023 को माननीय केंद्रीय रक्षामंत्री ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी जिसमे अब सभी महिला सैनिकों को मातृत्व, शिशु देखभाल और दत्तक-ग्रहण अवकाश समान रूप से मिलेगा। यह छुट्टी सेना में सभी ओहदों पर कार्यरत महिला सैन्य कर्मियों को समान रूप से मिलेगी, चाहे वो अधिकारी हों, या न हों।रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यह सुविधा महिलाओं के पारिवारिक और सामाजिक मुद्दों के समाधान में दीर्घकालिक महत्व की साबित होगी। इससे सेना में उनकी कामकाजी परिस्थितियां बेहतर होंगी और वे अपने पेशेवर और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बिठा सकेंगी। सेना में सभी महिला कर्मियों के लिए मातृत्व, शिशु देखभाल और दत्तक-ग्रहण अवकाश उपलब्ध की सुविधा सेना के तीनों अंगों के लिए एक बड़ा परिवर्तन है। वर्ष 2019 में थल सेना में सैन्य पुलिस कोर में महिला सैनिकों की भर्ती शुरू हुई थी। चूंकि पुरुषों को पैटरनिटी लीव और महिलाओं को सुविधाओं की फेहरिस्त में एक और अध्याय जुड़ गया है और महिलाओं को दीपावली के पहले बहुत बड़ा तोहफा मिला है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, महिलाओं को मैटरनिटी और पुरुषों को पैटरनिटी लीव से शिशु देखभाल में दुर्गा में परिणाम आते हैं।

साथियों बात अगर हम महिला सैनिकों संबधी मैटरनिटी लीव का प्रस्ताव पारित होने की करें तो, केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले महिला सैनिकों को बड़ा तोहफा दिया है, अब भारतीय सेना में काम करने वाली महिला सैनिकों, सेलर्स, एयर वॉरियर्स और महिला अग्निवीरों को एक समान मैटरनिटी लीव मिलेगी। रक्षा मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब से पहले सेना में केवल हायर रैंक वुमन ऑफिसर्स को मैटरनिटी लीव और बच्चों के अडॉप्शन पर छुट्टियां दी जाती थीं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के लिए उनके अधिकारी समकक्षों के समान मातृत्व, बाल देखभाल और बच्चे को गोद लेने पर चाइल्ड केयर लीव दी जाएगी। नियम जारी होने के साथ ही सेना में सभी महिलाओं को, चाहे वह अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक की, ऐसी छुट्टियाँ देना समान रूप से लागू होगा। महिलाअधिकारियों को 180 दिनों की मैटरनिटी लीव मिलती है, इसके साथ ही अगर वो एक साल से कम उम्र के बच्चे को गोद लेती हैं तो उसके गोद लेने की तारीख के बाद से उन्हें 180 दिनों की छुट्टी मिलती है। एक महिला अधिकारी को अपनी पूरी नौकरी के दौरान 360 दिन बच्चे की देखभाल के लिए मिलते हैं। इसके लिए बच्चों की उम्र 18 साल से कम होनी चाहिए। रक्षा मंत्रालय के इस फैसले के बाद भारतीय सेना में काम करने वाली सभी महिलाओं को पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ बैलेंस करने में मदद मिलेगी।साथ ही वह बाकी महिलाओं को बच्चे के जन्म और गोद लेने पर मिलने वाली छुट्टियों की तरह ही मैटरनिटी औरचाइल्ड केयर लीव का लाभ उठा पाएंगी। भारतीय सेना के सैन्य पुलिस कोर में सैनिकों के रूप में महिलाओं की भर्ती साल 2019 से शुरू हुई. वहीं अग्निवीर योजना की शुरुआत के बाद महिलाओं की कोर ऑफ मिलिट्री पुलिसमें भर्ती की जा रही है।इंडियन नेवी में भी अग्निवीर योजना के तहत महिला सेलर्स की भी भर्ती शुरू की गई है रक्षा मंत्रालय के इस फैसले से सभी को इसका लाभ मिलेगा। रक्षा मंत्रालय से सशस्त्र बलों में तैनात महिलाओं के छुट्टियों को लेकर एक प्रस्ताव जारी किया गया है, इस प्रस्ताव में महिलाओं की छुट्टियों को लेकर एकनियम बनाया गया है। सुरक्षा बलों में अब महिला अधिकारियों की तरह ही महिला सैनिकों को भी अब मातृत्व, बच्चों की देखभाल और बच्चे गोद लेने के लिए छुट्टियां और अन्य सुविधाएं दी जाएगी. इससे महिला सैनिक अपने पेशेवर और पारिवारिक जीवन को अधिक प्रभावशाली ढंग से संतुलित बना सकेंगी। भारतीय सशस्त्र बल के नए नियमों से अब सभी रैंकों की महिला कर्मियों के बीच समानता आ गई है। इस नियम के आने के बाद से सेना में सभी महिलाओं के लिए ऐसी छुट्टियों का अनुदान समान रूप से लागू होगा, चाहे वह अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक का हो।

साथियों बात अगर हम मेटरनिटी लीव कानून की करें तो,2017 से पहले भारत में कामकाजी महिलाओं को 12 हफ्ते यानी तीन महीने की ही मैटरनिटी लीव मिलती थी। लेकिन अक्सर तीन महीने की छुट्टी के बाद महिलाओं का काम पर वापस लौटना मुश्किल होता था और वो छुट्टी बढ़ा लेती थीं।लिहाजा 2017 में केंद्र सरकार ने मैटरनिटी बेनिफिट कानून में संशोधनकर दिया।इसके बाद मैटरनिटी लीव 12 हफ्ते से बढ़कर 26 हफ्ते तक हो गई। कानूनन, पहले और दूसरे बच्चे के लिए 26 हफ्ते की मैटरनिटी लीव मिलती है. तीसरे या इससे ज्यादा बच्चे होने पर 12 हफ्ते की ही छुट्टी का प्रावधान है. मैटरनिटी लीव में कामकाजी महिलाओं को उनकी पूरी सैलरी मिलती है।इसके अलावा, कानून ये भी कहता है कि तीन महीने से कम उम्र के बच्चों को गोद लेने वालीं या सेरोगेट मदर्स को भी 12 हफ्ते की मैटरनिटी लीव दी जाएगी. ।वैसे तो भारत की आधी आबादी महिलाओं कीहै,लेकिनकामकाजी महिलाओं की आबादी की भी आधी है।वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत में कामकाजी महिलाओं की आबादी 27 फीसदी है।मैटरनिटी लीव की वजह से भी कामकाजी महिलाओं पर असर पड़ता है।

किशन सनमुखदास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सज़्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नज़्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नज़्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिज़्मेदार होंगे।

- सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

×ô.Ñ }ywxyzyz®w, ~xxz~®}}y{

email:bps.knp786@gmail.com

वीरेंद्र स्वरूप इंस्टीट्यूट में पुलिस ने छात्राओ को साइबर क्राइम के प्रति किया जागरूक

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाए गए महिला सशक्तिकरण के तहत मिशन शक्ति दीदी मिशन को सफल बनाने हेतु डा वीरेंद्र स्वरूप स्कूल में पुलिस शक्ति दीदी ने पहुंचकर छात्राओ को साइबर फ्रॉड व महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। किदवई नगर स्थित डा वीरेंद्र स्वरूप इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में आज महिला सशक्तिकरण के तहत मिशन शक्ति दीदी अभियान का आयोजन किया गया। जहा पिंक चौकी प्रभारी रूबी सिंह व उनके साथ मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने देश में महिलाओ के साथ हो रहे फ्रॉड और क्राइम के प्रति जागरूक करते हुए बीएड प्रथम, द्वितीय वर्ष की छात्राओं को बताया कि महिलाओ के साथ हुए साइबर क्राइम का प्रभाव शारीरिक से ज्यादा मानसिक तनाव हो जाता है ।जिससे निकलने में असमर्थ हो जाती है। लेकिन आज के अलावा साइबर क्राइम ने बहुत सी महिलाओ व युवतियों को तनाव, उच्च रक्तचाप जैसे विभिन्न स्वस्थ मुद्दो पर प्रभाव डाला है। यही नही पिंक चौकी प्रभारी रूबी सिंह ने सभी छात्राओ को हाथ में मोबाइल लेने के बाद अपना मोबाईल नम्बर दर्ज कराकर मोबाइल हाथ में दस नब्बे साथ में कहते हुए मनचलों से न डरने का विश्वास दिलाया। जहा कालेज प्राचार्या पूनम मदान, एनएसएस अधिकारी सीमा मिश्रा के अलावा कालेज से एक घंटे के लिए पिंक चौकी इंचार्ज बनी श्रुति गुप्ता एवं अन्य छात्राए मौके पर मौजूद रही।

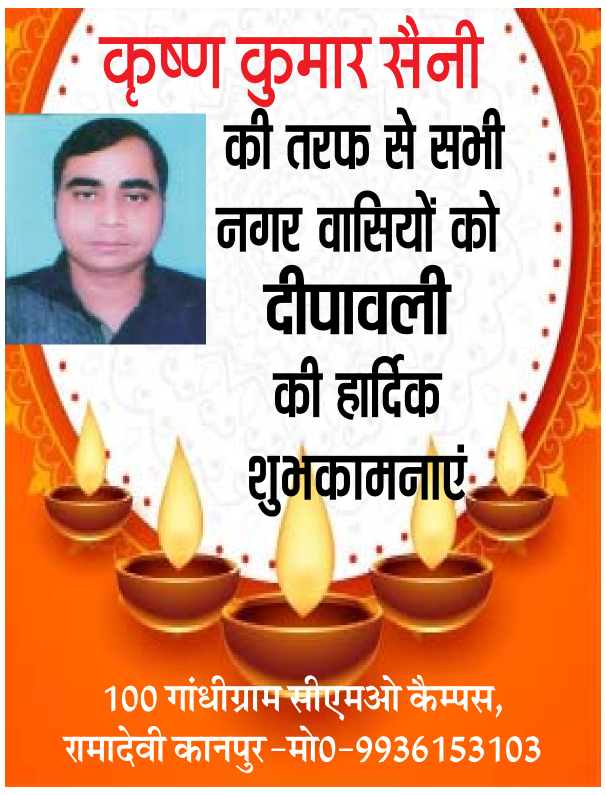

खिलाड़ियों के उत्पीड़न के खेल को सहन नहीं किया जायेगा

कानपुर। ग्रीन पार्क क्रीडा संकुल में प्रशिक्षार्णी खिलाड़ियों के इस आर्थिक शोषण से आक्रोशित हैं। वही डॉ.रोहित सक्सेना मिनिस्टर ऑफ स्टेट ऑफ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (भारत सरकार) के वॉईस चेयरमैन व उत्तर प्रदेश ताइक्कांडो एसोसिएशन के चेयरमैन ने खिलाड़ियों के हितार्थ में कहा कि ग्रीन पार्क प्रशासन का यह निर्णय-खेल और खिलाड़ियों के हित में नहीं है। खिलाड़ियों के वाहनों की भी पार्किंग ग्रीन पार्क परिसर में निःशुल्क रहनी चाहिये, जिस तरह से विजिटर्स गैलरी में आने वाले लोगों के वाहनों की पार्किंग फ्री है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सही निर्णय लिये जाने की जरुरत है। पैसा कमाने का खेल या खिलाड़ियों के उत्पीड़न के खेल को सहन नहीं किया जायेगा। उन्होनें इस मामले को गंभीरता से लिया और कहा कि वह दोषियों के खिलाफ शासन स्तर से कार्यवाही कराकर खिलाड़ियों को इस आर्थिक उत्पीड़न से निजाद दिलायेंगे। मामले को लेकर उन्होंने खेल सचिव से मिलने की बात कही। वही डॉ.रोहित सक्सेना जी ने तत्काल उत्तर प्रदेश के खेल निदेशक आर.पी.सिंह से फोन पर बात करी और स्थानीय ऋस्ह आर.एन सिंह से मिल इसे तत्काल रोकने को कहा और हिदायत दी, हमारा लक्ष्य ओलम्पिक मे बच्चो से मेडल जितवाना हैं यदि इसे नहीं रोका गया तो मैं इसकी शिकायत क्क्रूऔर ष्ट्रूसे करूँगा। वही प्रशासन ने जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया है।

13 सूत्रीय मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ने सभी डिपो में किया धरना प्रदर्शन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रोडवेज कर्मचारियों द्वारा रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के नेतृत्व में 13 सूत्रीय मांगों को लेकर कानपुर क्षेत्र के सभी डिपो में यथा फजलगंज डिपो चुन्नीगंज में प्रेम नारायण शर्मा अभिषेक यादव राजेंद्र प्रसाद पाल दिनेश चंद यादव ओमवीर सिंह,आजाद नगर डिपो में मनोज कुमार सिंह दिनेश पाल अतुल यादव राजकिशोर प्रशासनिक शाखा क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में आर के दोहरे अयाज अहमद, प्रशिक्षण संस्थान में अखिलेश कुमार मिश्रा राजेश सिंह गौर विकास नगर डिपो में नरेंद्र राजपाल आदित्य कुमार मुकेश त्रिपाठी अजीत कुमार सिंह क्षेत्रीय कार्यशाला में अरुण कुमार सोवरन लाल किदवई नगर डिपो में मनीष त्रिपाठी अमित द्विवेदी कंचन सिंह बाबूराम,अशोक गुप्ता बस प्रबंधन झकरकटी में योगेश चतुर्वेदी गया प्रसाद फतेहपुर डिपो में श्री राजवीर सिंह वीएस बाजपेई जयचंद प्रकाश राकेश कुमार, शांति भूषण मिश्रा उन्नाव डिपो में हरिओम सिंह, निखिल त्रिपाठी,मुख्तार, सुनील भारती मोहम्मद नदीम,के नेतृत्व में सैकड़ो कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन आयोजित कर आक्रोश व्यक्त किया संविदा व नियमित कर्मचारियों के लिए 10त्न महंगाई भत्ता, 31 दिसंबर 2001 तक के संविदा चालकों पर परिचालकों, दैनिक वेतन भोगियों को नियमित किया जाना,वेतन विसंगतियों को दूर किया जाना,मृतक आश्रितों की नियमित नियुक्ति किया जाना,डग्गामारी पर प्रभावी रोक लगाया जाना,स्थानांतरण नीति को पूर्ववत लागू किया जाए !इस अवसर पर प्रमुख रूप से परिषद के क्षेत्रीय अध्यक्ष अरविंद कुरील,मंडलीय मंत्री अखिलेश मिश्रा,क्षेत्रीय मंत्री सुरेंद्र सिंह सेंगर,मोहम्मद शाकिर खान,आदि तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सुरेंद्र मैथानी ने पोलिंग स्टेशन जाकर किया निरीक्षण

कानपुर। विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने पोलिंग स्टेशनों पर जाकर वहां की स्थिति को देखा और वहां उपस्थित आम जनता और बी0एल0ओ आदि से बातचीत की। विधायक ने बताया कि, विशेष दिवस के द्वितीय दिन लगभग प्रत्येक पोलिंग बी0एल0ओ बड़ी संख्या में अनुपस्थित रहे।

तथा मतदाता सूची में जो फर्जी वोटर हैं,उनको काटने में लापरवाही की जा रही है तथा नए वोटर बढ़ाने में संख्या बहुत कम आ रही है ।विधायक सुरेंद्र मैथानी ने बताया कि मतदाता बढ़ाने के सहायतार्थ खोले गए कंट्रोल रूम में, दिनभर में संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण के संबंध में लोगों ने जानकारी प्राप्त की ।और शिकायतें भी दर्ज कराई।

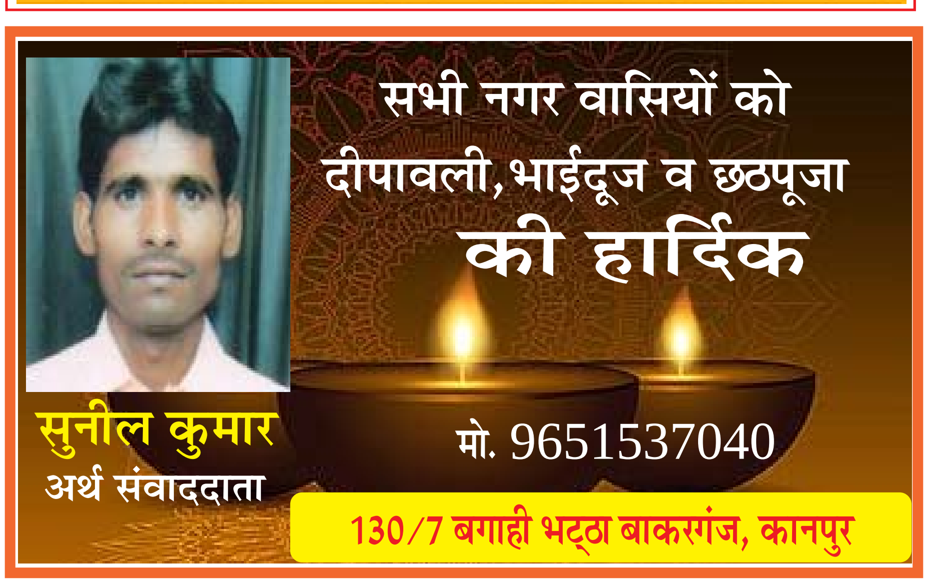

छोटे लाल गया प्रसाद धर्मशाला में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अंतर्गत मतदाता शिविर का आयोजन

विनय कुमार

कानपुर। छोटे लाल गया प्रसाद धर्मशाला में विशेष मतदाता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मतदाताओं के नाम बढ़ाने,संशोधन तथा विलोपन की प्रक्रिया हेतु फॉर्म नंबर 6,7 तथा 8 को मतदाताओं से भरवारा गया। मतदाताओं से अपील की गई कि वे अपने मतदाता पहचान पत्र को आधार से लिंक करवा ले। यदि नाम इत्यादि में कोई त्रुटि हो तो उसे अवश्य संशोधित कराएं। मतदाता शिविर में मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने पर जोर दिया गया। शिविर में मुख्य रूप से सुपरवाइजर विश्राम प्रसाद, बीएलओ दिलीप गुप्ता, विनय कुमार और रश्मि शुक्ला उपस्थित रहीं।

बिजनौर में मोटरसाइकिल पशु से टकराई, वाहन सवार तीन युवकों की मृत्यु

हल्दौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिजनौर-नहटौर मार्ग पर तेज गति से आ रही मोटरसाइकिल के, सड़क पर घूम रहे पशु से टकराने के बाद वाहन पर सवार तीन युवकों की मृत्यु हो गई।

हल्दौर थाना प्रभारी रामप्रताप सिंह ने सोमवार को बताया कि रविवार देर रात बिजनौर-नहटौर मार्ग पर पशु से टकराने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों की मृत्यु हो गई।

मृतकों की पहचान अनुज (30), विक्की (28) और अंकित (27) के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि तीनों युवक मोटरसाइकिल पर तेजी से आ रहे थे और उनकी मोटरसाइकिल सड़क पर घूम रहे आवारा पशु से टकरा गई। इस दुर्घटना में तीनों युवकों की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

कौशांबी में बनियान-तौलिया पहनकर सुनवाई करने वाला उपनिरीक्षक लाइन हाजिर

कौशांबी जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने सोशल मीडिया पर सार्वजनिक एक वीडियो में बनियान-तौलिया पहनकर सुनवाई करते एक उपनिरीक्षक (दरोगा) का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद उसे निलंबित कर दिया। एसपी ने यह जानकारी दी।

एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जिले के कोखराज थाना की सिंघिया चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक रामनारायण सिंह के तौलिया और बनियान पहनकर फरियादियों की फरियाद सुनने का वीडियो व खबर संज्ञान में आने के बाद सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया है। एसपी ने बताया कि मामले की जांच क्षेत्राधिकारी (सीओ) सिराथू अवधेश विश्वकर्मा को सौंपी गयी है।

पार्क में खेल रहा मासूम हुआ लापता, पुलिस ने उसे चंद घंटों में खोज निकाला

बीपीएस न्यूज कानपुर। थाना पनकी रतनपुर चौकी में एक मासूम पार्क में खेलने के लिए गया था। वक्त काफी हो जाने के बाद जब वह घर नहीं आया तो परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने रतनपुर चौकी प्रभारी अवनीश पटेल को इस बाबत जानकारी दी तो रतनपुर चौकी प्रभारी अवनीश पटेल अपने हमराहियों को मासूम को खोज निकालने के निर्देश दिए। उनकी काफी खोजबीन के बाद 8 वर्षीय मासूम सकुशल बरामद हुआ और उसे परिजनों को सौंप दिया। आपको बताते चलें कि कानपुर के पनकी थाना रतनपुर चौकी क्षेत्र में एक मासूम अचानक पार्क में खेलते समय संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पनकी थाने में दी तो चौकी प्रभारी ने अपने सिपाहियों को उसे खोज निकालने के लिए निर्देश दिए। महज चंद घंटों में मासूम की सकुशल बरामदगी हो गयी और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मासूम को पाकर परिजनों के चेहरे खिल उठे और उन्होने चौकी प्रभारी को धन्यवाद दिया। वहीं चौकी प्रभारी अवनीश पटेल ने पुलिस मित्र का सराहना की।

धनतेरस, दीपावली, भैयादूज व छठ पूजा की तैयारियों के सम्बन्ध में श्रीमान पुलिस आयुक्त डॉ0 आर.के. स्वर्णकार की अध्यक्षता में मर्चेन्ट चैम्बर हॉल में मीटिंग आहूत की गई। सभी त्योहारों को सुरक्षित व सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस आयुक्त महोदय ने दिये दिशा निर्देश। मीटिंग में श्रीमान जिलाधिकारी विशाख जी, श्रीमान जॉइन्ट सीपी श्री आनन्द प्रकाश तिवारी, ,छरूसिटी,समस्त पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त LIU, समस्त सहायक पुलिस आयुक्त, केस्को एवं जल निगम के अधिकारीगण व सम्बन्धित SHO मौजूद रहे।

13 सूत्रीय मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ने किया धरना प्रदर्शन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रोडवेज कर्मचारियों द्वारा रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के नेतृत्व में 13 सूत्रीय मांगों को लेकर कानपुर क्षेत्र के सभी डिपो में यथा फजलगंज डिपो चुन्नीगंज में प्रेम नारायण शर्मा अभिषेक यादव राजेंद्र प्रसाद पाल दिनेश चंद यादव ओमवीर सिंह,आजाद नगर डिपो में मनोज कुमार सिंह दिनेश पाल अतुल यादव राजकिशोर प्रशासनिक शाखा क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में आर के दोहरे अयाज अहमद, प्रशिक्षण संस्थान में अखिलेश कुमार मिश्रा राजेश सिंह गौर विकास नगर डिपो में नरेंद्र राजपाल आदित्य कुमार मुकेश त्रिपाठी अजीत कुमार सिंह क्षेत्रीय कार्यशाला में अरुण कुमार सोवरन लाल किदवई नगर डिपो में मनीष त्रिपाठी अमित द्विवेदी कंचन सिंह बाबूराम,अशोक गुप्ता बस प्रबंधन झकरकटी में योगेश चतुर्वेदी गया प्रसाद फतेहपुर डिपो में श्री राजवीर सिंह वीएस बाजपेई जयचंद प्रकाश राकेश कुमार, शांति भूषण मिश्रा उन्नाव डिपो में हरिओम सिंह, निखिल त्रिपाठी,मुख्तार, सुनील भारती मोहम्मद नदीम,के नेतृत्व में सैकड़ो कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन आयोजित कर आक्रोश व्यक्त किया संविदा व नियमित कर्मचारियों के लिए 10 प्रतिशत महंगाई भत्ता, 31 दिसंबर 2001 तक के संविदा चालकों पर परिचालकों, दैनिक वेतन भोगियों को नियमित किया जाना,वेतन विसंगतियों को दूर किया जाना,मृतक आश्रितों की नियमित नियुक्ति किया जाना,डग्गामारी पर प्रभावी रोक लगाया जाना,स्थानांतरण नीति को पूर्ववत लागू किया जाए!

इस अवसर पर प्रमुख रूप से परिषद के क्षेत्रीय अध्यक्ष अरविंद कुरील,मंडलीय मंत्री अखिलेश मिश्रा,क्षेत्रीय मंत्री सुरेंद्र सिंह सेंगर,मोहम्मद शाकिर खान,आदि तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सुप्रिया खेमका ने संयुक्त मंत्री को शुक्रिया कहने के साथ हर संभव सहयोग का दिया आश्वासन

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। लोकसभा चुनाव के नजदीक आते ही आयुध निर्माणियों के निगमीकरण का मुद्दा फिर से जोर पकड़ने लगा है। केंद्र सरकार ने कोविड के दौरान एक अक्टूबर 2021 से देश की सभी 41 आयुध निर्माणियों का निगमीकरण कर सात आयुध निगमों में विभाजित कर दिया था। जिसे निजीकरण की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में स्थित आयुध उपस्कर निर्माणी की किला मजदूर यूनियन के संयुक्त मंत्री समीर बाजपेई ने जनता दल यूनाइटेड की पटना से युवा महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव सुप्रिया खेमका को पत्र लिखकर लोकसभा चुनाव में निगमीकरण का मुद्दा पार्टी मेनिफेस्टो में शामिल करवाने का आग्रह किया है। साथ ही निगमीकरण के मुद्दे को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष उठाने का भी निवेदन किया है। पत्र के माध्यम संयुक्त मंत्री समीर बाजपेई ने सुप्रिया खेमका से कहा कि जिस तरह सोशल मीडिया के माध्यम से जमीनी स्तर पर आप लगातार जनता के मुद्दे उठाती रहती हैं। आपकी यही कार्यशैली ही आपको लोकप्रिय और महान बनाती है। इसलिए उन्होने उम्मीद जताते हुए लिखा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी की तरफ से आपको भी लोकसभा का उम्मीदवार बनाया जाए। संयुक्त मंत्री समीर बाजपेई का पत्र प्राप्त होने पर जदयू नेत्री सुप्रिया खेमका ने निगमीकरण के मुद्दे पर हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए सम्मान व विश्वास जताने के लिए संयुक्त मंत्री समीर बाजपेई को शुक्रिया लिखा।

अविरल तथा तंजीत सिंह ने किया शहर का नाम रौशन

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, कोलकाता में चल रहे सीआईएससीई नेशनल कराटे चैंपियनशिप में कानपुर के स्वराज इंडिया पब्लिक स्कूल के दो छात्र अविरल सक्सेना और तनजीत सिंह ने अपने विधालय के साथ ही कानपुर का नाम रौशन किया गया।अंडर 17 बालक वर्ग में जहां अविरल सक्सेना ने फाइनल में बिहार के खिलाडी को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया तो वहीं तंजीत सिंह ने बंगाल के खिलाडी को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त कर कानपुर का नाम नेशनल स्तर पर रोशन किया गया। इस अवसर पर वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकन कानपुर कराटे चीफ कोच सभाजीत वर्मा तथा एसो0 के सचिव सुनील शुक्ला ने बच्चों को उनकी जीत पर बधाई दी और उनके उज्जव भविष्य की कामना की।

आयुध निर्माणी में 16 महादानियों ने किया रक्तदान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आयुध निर्माणी में कार्यकारी निदेशक अजय सिंह के निर्देश पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन संयुक्त महाप्रबंधक धर्मेंद्र कुमार एवं सौरभ मिश्रा ने किया। रक्तदान करने वाले 16 महादानियों में उप महाप्रबंधक प्रशासन सौरभ मिश्रा, राम शंकर पटेल, नवीन शर्मा, विवेक यादव, सिद्धार्थ कुशवाहा, केके पांडे, रहतू लाल, संतोष वर्मा, बिंदुसागर सेनापति, हिमांशु गौतम, रवि कुमार वर्मा, प्रेम कुमार, किशन साहू ,छविराम यादव, आदि ने रक्तदान किया इस अवसर पर राजेश सोनी विनय अवस्थी, कुमार विनीत, नरेंद्र कुमार दुबे आदि के साथ रक्तदान शिविर के लोग उपस्थित रहे।

अधिवक्ता को पैरवी करना पड़ा भारी, दरोगा ने की मारपीट

बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना चकेरी अंतर्गत आपको बता दें कि अधिवक्ता को चौकी में पैरवी करना बहुत भारी पढ़ गया। अधिवक्ता शिव शुक्ला निवासी सिविल लाइन जो कि पेशे से अधिवक्ता हैं।

अधिवक्ता ने बताया कि 29 अक्टूबर दिन रविवार को लगभग 12=20 बजे एक पीड़ित परिवार के साथ पैरवी में चौकी श्याम नगर में पीड़ित परिवार के ऊपर दर्ज झूठी एफआईआर के संबंध में प्रथनापत्र देने गये थे कि तभी अधिवक्ता ने अपना परिचय देते हुए मामले की जानकारी चौकी प्रभारी एस.आई. विपिन कुमार से करनी चाही की तब तक दरोगा का पारा सांतवे आसमान पर पहुँच गया। और फिर क्या दरोगा ने चौकी से लेकर सड़क तक अधिवक्ता के साथ मारपीट करते रहे। दरोगा का पारा सातवें आसमान पर देख चौकी में मौजूद पुलिस कर्मियों ने भी फिर कोई कसर नही छोड़ी आखिर साहब का मामला है तो बाकी कसर अधिवक्ता के साथ उन सभी पुलिस कर्मियों ने निकाल ली।

नॉर्थ सेंट्रल रेलवे इंप्लाइज संघ ने सम्मान समारोह का आयोजन किया

कानपुर, । सेंट्रल स्टेशन पर नार्थ सेन्ट्रल रेलवे इम्पलाईज संघ स्टेशन शाखा के शाखा अध्यक्ष कृपाकर मिश्रा के सेवानिवृत्त होने पर NCRES के द्वारा सम्मान समारोह किया गया। जिसमें समारोह के बाद कर्मचारियों की समस्याओं पर व मुख्य NPS पर चर्चा किया गया। मुख्य अतिथि आर0पी0 सिंह ने कहा कि जब तक NPS रदद नही किया जाता तब तक NCRES संघर्ष करती रहेगी। सभा में कार्यकारी महामंत्री अखिलेश सिंह राठौर, मण्डल अध्यक्ष मान सिंह, मण्डल मंत्री चन्दन कुमार सिंह, उपाध्यक्ष गोविन्द सिंह व शाखा सचिव-सेराज अहमद, आर0 एन0 पी0 सिंह, अजीत सिंह, भारत भूषण मिश्रा, राजेन्द्र कुमार, राजेश मौर्या एवं NCRES के समस्त पदाधिकारीगण व सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहें।

जल प्रबंधन विभागाध्यक्ष नेशनल फेलो अवार्ड से सम्मानित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के भूमि संरक्षण तथा जल प्रबंधन विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ मुनीष कुमार को नेशनल फेलो अवार्ड 2022 नई दिल्ली मे आयोजित वैश्विक जलवायु परिवर्तन के तहत टिकाऊ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदान किया गया है। यह सम्मान केंद्रीय राज्य मंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी पुरुषोत्तम रुपाला द्वारा दिया गया है। ये अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीय मृदा संरक्षण सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया है।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि यह नेशनल फेलो डॉक्टर कुमार को भूमि एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में शोध एवं प्रसार कार्य हेतु उन्हें प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने डॉक्टर कुमार को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी हैं।विश्वविद्यालय में डॉक्टर मनीष कुमार की उपलब्धि पर हर्ष व्याप्त है।

ए आई टी एच के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव शंखनाद का हुआ रंगारंग शुभारंभ

कानपुर। त्रिदिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव शंखनाद जो कि 7 से 9 नवंबर 2024 तक होगा उसका उद्घाटन संस्थान की निदेशक प्रो. रचना अस्थाना जी द्वारा दीप प्रज्जवलित करके और सरस्वती वंदना करके किया गया। इस दौरान कई साहित्यिक , सांस्कृतिक और तकनीकी प्रतिस्पर्धाएं आयोजित कराई गई जैसे रोबो सोकर , साइबर फोनिक्स , कोडिंग लीग, हाइड्रो राकेट आदि कराए गए । साहित्यिक प्रतियोगिता में पिच ईट आउट , यूथ पार्लियामेंट , टॉक टील यू ड्रॉप आदि प्रतियोगिताएं कराई गई । सांस्कृतिक प्रतियोगिता में वॉल पेंटिंग , रंगोली और फोटो बूथ आदि प्रतियोगिताएं कराई गई। 2023 के नव छात्र छात्राओं का फ्रेशर्स कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे डिग्री विंग के मिस्टर फ्रेशर रहे और मिस फ्रेशर रही तथा डिप्लोमा विंग के मिस्टर फ्रेशर रहे और मिस फ्रेशर रही। इस दौरान संस्थान की निर्देशिका डॉ रचना स्थाना , डॉ अनुज श्रीवास्तव , डॉ मनीष सिंह राजपूत, कपिल कुमार पांडेय आदि उपस्थित रहे । संस्थान के सांस्कृतिक सचिव यश राज और प्रत्यक्षा , समाज सेवा सचिव आदित्य गौतम , तकनीकी सचिव प्रिंसी और मंजीत , साहित्यिक सचिव आकृति और राज तथा खेल सचिव आदित्य और शाक्षी भी मौजूद रहे ।

नाबालिग ई-रिक्शा चालक के खिलाफ आरटीओ प्रवर्तन ने चलाया अभियान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सड़को पर ई-रिक्शा चालाने वाले नाबालिगो के खिलाफ आरटीओ प्रवर्तन ने अभियान चलाया। अभियान में चालको के ड्राइविंग लाइसेंस और ई-रिक्शा की फिटनेस देखी गई।

पीटीओ प्रथम मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि शासन के दिशा निर्देश पर यह 3 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। मंगलवार को गुरूदेव चौराहे से नवाबगंज रोड , चिड़िया घर से नवाबगंज , सीएनसी पपम्प रोड में अभियान चला कर करीब 25 ई-रिक्शा चालको का चालान करने की कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि चालान की कार्यवाही ऐसे ई-रिक्शा चालको पर की गई जो कि नाबालिग है और कई ऐसे भी मिले जिनके पास वैद्य ड्राइविंग लाइसेंस नही था। 3 दिवसीय चलने वाली कार्यवाही में ऐसे और भी ई-रिक्शा चालको के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी जो कि नाबालिग होंगे और जिनके पास वैद्य डीएल नही होगा।

पोक को भारत में शामिल करने की मांग को लेकर तिरंगा यात्रा

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच कानपुर प्रान्त द्वारा पाकिस्तान शासित कश्मीर के हिस्से(पोक) को भारत में शामिल करने की मांग को लेकर सुजातगंज क्षेत्र से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसक नेतृत्व सह संयोजक अशफाक सिददीकी व प्रांतीय संरक्षक समी अंसारी, मो0 नायाब हसीन अंसारी द्वारा किया गया। तिरंगा यात्रा के दौरान मुख्य अतिथि आरएसएस के राष्ट्रीय संयोजक मो0 अफजाल, उ0प्र0 व उत्तराखंड प्रभारी इस्लाम अब्बास ने कहा कि यह यात्रा पीओके के लिए थी, क्योंकि पीओके बीते कई सालों से पाकिस्तान से अलग होकर भारत में शामिल होना चाहिता है। सच यही है कि बटंवारे के पहले पूरा पाकिस्तान ही भारत था लेकिन उस समय की सरकार की गलतियों के कारण बढवारे के बाद भी कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के पास चला गया।

कहा कि आज का यह जलसा हिंदुस्तान के अंदर जो तवन की तरक्की, मुहब्बत, हिफाजत और कुर्बानी की आवाज है और यह कहना चाहते है कि मुसलानों में यह भाव आये कि वह हिन्दुस्तानी थे और रहेंगे। कहा हमारे पूर्वज जुबार और मुल्क से हिंदुस्तानी थे और रहेंगे। कहा आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारो को बढाने का समय है और उस कब्जे वाले काश्मीर को भारत में मिलाकर हमें अपने मंसूबो को कायमयाब करना है। यात्रा में मुस्लिम राष्ट्यी मंच के सैकडों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और कहा कि हम अपनी यात्रा नोक

पर झंडा फहराने तक जारी रखेंगे। इस अवसर पर शांदाब अंसारी, अर्सलान अंसारी, इमरान, मुबीना, रूखसाना, खुर्शीद आलम, अली अकबर, साहिबा खान, राजू खान, जहीर रिजवी आदि मौजूद रहे।

सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति प्रतिबद्धता जरूरी

कानपुर। ग्लाइडर्स इण्डिया लिमिटेड की इकाई आयुध पैराशूट फैक्ट्री में सतर्कता जागरूकता सप्ताह समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीक्यूटीएंडसी के कंट्रोलर ब्रिगेडियर टी. रजनीश ने कहा कि जीवन के सभी क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से हमें ईमानदारी, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा का पालन करना चाहिए। हर व्यक्ति को सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों को बनाये रखने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहना चाहिए।निर्माणी में सतर्कता जागरूकता समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे सीक्यूटीएंडसी के कंट्रोलर ब्रिगेडियर टी. रजनीश का महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम ने भव्य स्वागत किया। निर्माणी सभाकक्ष में आयोजित समारोह में ब्रिगेडियर टी. रजनीश ने कहा कि ओपीएफ में सतर्कता जागरूकता पर हुये व्यापक कार्यक्रमों से सकारात्मक माहौल बना है। इसके लिए महाप्रबंधक एवं उनकी विजिलेंस टीम बधाई की पात्र है। बड़ा ही अच्छा आयोजन हुआ, जिसे देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।निर्माणी के महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम ने सभी को अपने कार्य क्षेत्र में सत्यनिष्ठा का पालन करने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि यह सत्यनिष्ठा एवं सतर्कता एक सप्ताह के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को पूरे वर्ष अपने कार्यकाल के दौरान इसका अनुपालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता तथा ईमानदारी ओपीएफ के मूलसिद्धांत हैं। दैनिक कार्यों में पारदर्शिता तथा ईमानदारी बरतने से न केवल हम कार्य को नियमानुसार पूर्ण करते हैं, बल्कि राष्ट्र के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि सतर्कता जागरूकता संबंधी सभी सिद्धांतों को अपनाते हुए अपना कार्य जागरूकतापूर्वक करें।

जयनारायण के अभिषेक कुशवाहा साधेंगे राष्ट्रीय तीरंदाजी में निशाना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जय नारायण विद्या मंदिर में हाईस्कूल के छात्र अभिषेक कुशवाहा का चयन जमशेदपुर झारखंड में आयोजित हुई जोनल आर्चरी प्रतियोगिता में विजेता होने पर सीबीएसई द्वारा देहरादून के बलूनी सोशल स्कूल में आयोजित राष्ट्रीय आर्चरी प्रतियोगिता में हुआ है। आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में अभिषेक अपने तीरों से लक्ष्य

संधान करेंगे। अंडर 17बालक वर्ग के रिकर्व प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करेंगे।

इससे पहले भी अभिषेक ने कई राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपने तीरों का जलवा दिखाया है एवं कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीत चुके हैं। रावतपुर निवासी अभिषेक कुशवाहा अर्मापुर मैदान में तीरंदाजी के एन आई एस कोच अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में तीरंदाजी सीख रहे हैं। अभिषेक से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कानपुर को बहुत उम्मीदें हैं उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए जय नारायण विद्यालय के प्रबंधक डॉ सुनील मिश्र, प्रधानाचार्य डॉ संतराम द्विवेदी, अनिल त्रिपाठी, आलोक द्विवेदी, आशुतोष सत्यम झा ने शुभकामनाएं देकर प्रतियोगिता के लिए रवाना किया।

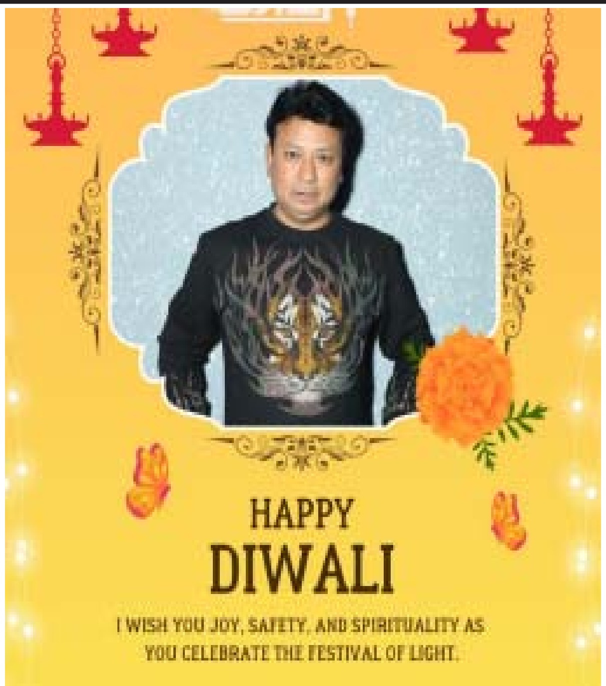

कमिश्नर से कहा की सत्तापक्ष से जुड़े लोग हैं इसलिए गिरफ्तारी नहीं:अजय राय

कानपुर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व महापौर प्रत्याशी पवन गुप्ता के साथ दिवंगत किसान बाबू सिंह यादव के परिवार से मुलाकात कर परिवार को हर संभव मदद और सहयोग का आश्वासन दिया।दिवंगत किसान बाबू सिंह यादव की आत्महत्या को आज 60 दिन हो गए पर अभी तक भाजपा नेता प्रियरंजन आशु,शिवम चौहान ,बबलू और जीतेंद्र की गिरफ्तारी न होने से परिवार बेहद व्यतिथ है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा सरकार पर फरार भाजपा नेताओं की मदद का आरोप लगाते हुए बेटियों के लिए न्याय मांगा।प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मौके से ही पुलिस कमिश्नर आरके स्वर्णकार से बात की और उनसे आरोपियों की गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी ली।बाबू सिंह यादव की बेटी रूबी ने कहा की 60 दिन हो गए अभी तक प्रियरंजन गिरफ्तार नहीं हुई।सबकी 82 हो गई पर पुलिस ने अभी तक 83 की कार्यवाही शुरु नहीं की।बेटी काजल ने बताया की आज तक भाजपा से कोई नेता मिलने तक नहीं आया और न ही कोई मदद की गई।महाराजपुर विधानसभा से विधायक और विधानसभा स्पीकर सतीश महाना तक ने आज तक संपर्क तक नहीं किया, मदद तो दूर की बात है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बेटियों के सर पर हाथ रख कर कहा की वे और पूरी पार्टी उनके साथ हैं।कांग्रेस सरकार से इस मामले को उठाएगी और बेटियों को न्याय दिलवाएगी।वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने परिवार की हर मदद करने को कहा।पवन गुप्ता के साथ अजय तिवारी,नरेश त्रिपाठी,कानपुर उत्तर नगर अध्यक्ष नौशाद आलम,करिश्मा ठाकुर,मदन मोहन शुक्ला, सोहेल अंसारी, आलोक मिश्रा, अमित पांडे , हरि कृष्ण भारतीय आदि थे।

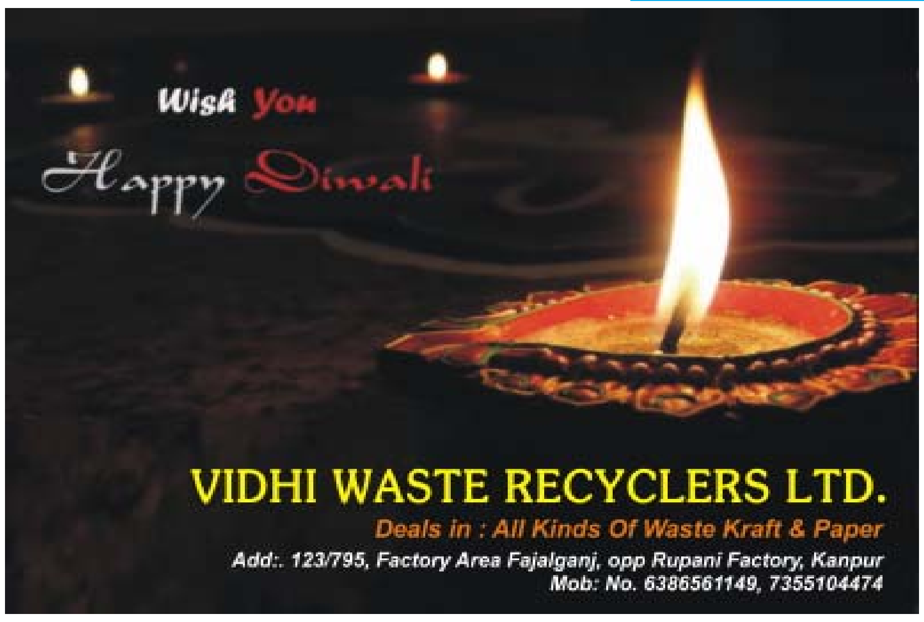

सवा तीन टन पन्नी लदा ट्रक पकड़ा, एक लाख रुपए जुर्माना लेने के बाद छोड़ा

कानपुर। नगर निगम और राज्य कर विभाग में समन्वय की मिसाल, गुजरात की सवा तीन टन पन्नी लदा ट्रक पकड़ाराज्य कर के सचल दस्ता 10 ने गुजरात से रांची(झारखंड) जाता हुआ एक ट्रक पकड़ा जिसमें 15 टन गाड़ी के पुर्जे, प्लास्टिक पाइप, कपड़ों के थान, स्टील बर्तन इत्यादि सामान लोड था।

सचल दस्ते के मुखिया सहायक आयुक्त सोमांक चौहान ने जब ट्रक के सामान को चेक किया तो इसमें प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग की बोरियां भी निकलीं। इनके द्वारा तत्काल नगर निगम प्रवर्तन अधिकारी कर्नल आलोक नारायण को इसकी सूचना दी गई।7 नवंबर प्रवर्तन दल द्वारा लखनपुर स्थित राज्य कर ऑफिस से यह ट्रक अपने कब्जे में कर नगर निगम ले आया गया।

प्रवर्तन दल की जांच पड़ताल में इस ट्रक से हलोल गुजरात की 5 फैक्ट्रियों की 107 बोरियों में 3,320 किलो कैरीबैग बरामद किए गए जिनको जब्त कर लिया गया।राजस्व निरीक्षक नफीस द्वारा ट्रक मालिक से एक लाख रुपए जुर्माना लेने के बाद इस ट्रक को 8 नवंबर शाम को छोड़ा गया।इस अभियान में प्रवर्तन दल के सूबेदार अवधेश सिंह, वीरेंद्र स्वरूप, रामेंद्र सिंह, हवलदार इंद्रजीत, राज नारायण, धनंजय, भूपेंद्र सिंह, जितेंद्र बहादुर, राम नरेश, जितेंद्र सिंह, मोहित बेलदार इत्यादि शामिल रहे।

झूलते तार में फंसकर कई राहगीर हुए चुटहिल

कानपुर नगर। नगर के कई स्थानों पर बिजली तथा अन्य प्रकार के तारों का जाल फैला हुआ है। समुचित देखभाल या विभाग द्वारा देख-रेख न होने के कारण तार झूलने लगते है और इतना नीचे लटक आते है कि राहगीरो के लिए मुसीबत बन जाते है। गुरूदेव टाकीज क्रासिंग पर ऐसे ही किसी प्राइवेट कम्पनी का मोटातार कल सुबह लटक आया, जिससे कई राहगीर और वाहन सवार टकराये और गिरकर घायल हो गये।

गुरूदेव क्रासिंग पर एक खंभे से गया हुआ किसी प्राइवेट कम्पनी का मोटा तार अचानक लटक गया और राहगीरों तथा वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बना। सुबह हल्की धुंध होने के कारण कई वाहन सवार तार में फंसे और गिरे। स्थानी लोगों ने कुछ देर बाद तार को खंभे से खीचकर बांध दिया। लोगों ने बताया कि बीती रात से यह तार नीचे लटक गया था, सुबह से कई लोग इसमें फंसकर चुटहिल भी हो चुके है, इसकी सूचना किसे दें और यह किस कम्पनी का तार है, इसकी कोई जानकारी नही है। लोगों ने कहा कि हम लोगों ने मिलकर किसी प्रकार इस भारी तार को खंभे में कस दो दिया है लेकिन यदि यह फिर गिरकर लटका तो लोगों की सुरक्षा के लिए इसे काटकर अलग कर देंगे।

कानपुर से गिरफ्तार किया गया 50 हजार का हत्यारोपी ईनामी

कानपुर नगर। 50 हजार रू0 का ईनामी एक शातिर अपराधी बुधवार को एसटीएफ लखनऊ टीम के हत्थे चढ गया। यह शातिर अपराधी एक हत्या के मामले में फरार चल रहा था और पुलिस द्वारा लगातार इसकी खोज की जा रही थी। अपराधी को पकडकर सीसामऊ थाने ले जाया गया, जहां उससे पूंछतांछ की गयी।जानकारी के अनुसार शातिर इनामिया अपराधी राहुल उर्फ शेखर सोनकर को लखनऊ एसटीएफ टीम द्वारा जेके टूटमिल के पीछे से गिरफ्तार कर लिया गया। इस अपराधी पर 50 हजार रू0 का इनाम था। राहुल के पास से तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है। बताया जाता है कि कानपुर के ही सीसामऊ थाने से हत्या के एक मामले में सजा होने के बाद आरोपी फरार चल रहा था। एसटीएफ इंस्पेक्टर जय प्रकाश राय तथा उप निरीक्षक अमित तिवारी द्वारा अपराधी को गिरफ्ता किया गया, जिससे पूंछतांछ की जा रही है।

कैरियल काउंसलिंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म महाविधालय में कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा0 आरएस भारती द्वरा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कैरियर के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की। काउंसलर शिवानी शर्मा ने कहा कि कभी-कभी किसी के दबाव में निर्णय न ले, अपनी बुद्धि विवेक का उपयोग करें। कहा यदि सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो तुम्हे सूरज की तरह जलना होगा। काउंसलर डा0 सुजीत कुमार ने कहा जरूरी नही कि जो आप सोचते हो वह काम हो जायेगा। माता-पिता बच्चों की शिक्षा के लिए अपनी जमीन तक बेंच देते है अत: उनकी आशाओं पर पानी न फेरें। वहीं कहा कि अर्जुन की ही तरह चिडियां की आंख पर केंद्रित रहना बहुत आवश्यक है, साथ ही अपने के पास दूसरा ऑप्षन भी आवश्यक है। उन्होने वैदिक गणित के मंत्र को समझााया। प्रादेशिक सेवा योजन कार्यालय के उपनिदेशक डा0 आरएस भारती ने छात्राओं का उत्सावर्धन किया। इस अवसर पर निदेश नवाचार संपत्ति विभग अविनश चतुर्वेदी, डा0 अजीत कुमार, निधि वर्मा जिला सेवायोजन अधिकारी, प्रिया गात्म, क्षेम अग्निहोत्री, आरती मिश्रा, स्वेता सिंह, बबली झां सहित अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बेटियों ने रोते हुए जिलाधिकारी से कहा की इनामी फरार भाजपा नेता अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए धोखे से हड़पी गई जमीन भी वापिस नहीं मिली

बीपीएस न्यूज

कानपुर। किसान बाबू सिंह यादव के परिजनों ने सपा नेता और न्याय संघर्ष समिती के संयोजक अभिमन्यु गुप्ता के साथ आत्महत्या के 58 दिन बीतने के बाद भी न्याय न मिलने पर दुख प्रकट करते हुए जिलाधिकारी कानपुर वी विशाख से मुलाकात कर उनसे धोखे से हड़पी गई जमीन की दाखिल खारिज निरस्तीकरण की मांग की ।बेटियों ने रोते हुए जिलाधिकारी से कहा की हमारी जमीन धोखे से हड़प कर कौड़ियों के दाम लिखवा कर उनको कई सैकड़ों गुना कीमत पर बेची जा रही है ।आरोपियों ने आगे जमीन बेच दी और जिनको जमीन बेची उन्होंने भी दाखिल खारिज के लिए आवेदन दिया है ।बेटियों ने जिलाधिकारी से आग्रह किया की वे विभाग के सभी अधिकारियों को निर्देश दे दें की उनके पिता की जमीन से संबंधित किसी भी याचिका या वाद पर कोई लाभ किसी को न दें और न ही किसी की दाखिल खारिज करें ।बेटियों ने कहा की धोखे से हड़पी गई जमीन के लिए पहले ही हमने निरस्तीकरण का वाद दाखिल कर दिया है इसलिए आवश्यक की आगे कोई न इसको खरीद बेच पाए और न दाखिल खारिज कर पाए ।बेटियों ने बताया की प्रियरंजन आशु गैंग के राहुल जैन ने जमीन नैंसी चंदेल और राजेंद्र पांडे को बेच दिया जिन्होंने अब दाखिल खारिज के लिए आवेदन किया ।बेटियों ने बताया की उनकी जमीन का सर्किल रेट 10000 रुपए प्रति गज है जो की पापा से धोखे से बिना पैसे दिए लिखवा ली गई।

नंगे पांव पहुंची बड़ी बेटी रूबी ने भावुक होते हुए कहा की सब हमको कह रहे हैं की न्याय की उम्मीद भूल जाओ क्योंकि पैसे से मजबूत भाजपा नेता है और भाजपा के ही बड़े नेता उसको बचा रहे हैं ।बेटी काजल ने कहा की प्रियरंजन अपने पैसे और रसूख के दम पर खुलेआम कानून और पुलिस को चुनौती दे रहा है ।बेटियों ने रोते हुए जिलाधिकारी से कहा की इनामी फरार भाजपा नेता और यूपी बाल आयोग का सदस्य प्रियरंजन आशु, भाजपा नेता शिवम चौहान, बबलू और जीतेंद्र अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए और अभी तक धोखे से हड़पी गई जमीन भी वापिस नहीं मिली।

जिलाधिकारी ने परिजनों को आश्वासन दिया की वे तत्काल सबंधित सभी की निर्देश दे रहे हैं की इस जमीन से संबंधित कोई दाखिल खारिज न की जाए।

श्रुति गुप्ता को महिला पिंक चौकी प्रभारी रूबी सिंह ने एक घंटे का बनाया चौकी प्रभारी

कानपुर। के ब्लॉक स्थित डा वीरेंद्र स्वरूप इंस्टीट्यूट से आई एनएसइस प्रमुख सीमा मिश्रा के साथ मौजूद बीएड द्वितीय वर्ष छात्रा श्रुति गुप्ता को महिला पिंक चौकी प्रभारी रूबी सिंह ने एक घंटे का चौकी प्रभारी कार्यभार सौंपते हुए मौजूद सभी छात्राओ का उत्साह बढ़ाया। वही चौकी में आए दो दहेज प्रथा के मामलो को वर्तमान चौंकी इंचार्ज श्रुति गुप्ता ने न्यायालय में जाने के बजाय चौकी में ही निस्तारित कर दिया। यही नही पीड़ित चौकी से सहमति के साथ अपने ङ्क अपने घर वापस लौटे। श्रुति गुप्ता का कार्यभार समाप्त होने के बाद वर्तमान चौकी प्रभारी रूबी सिंह से बात की तो उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाए गए महिला सशक्तिकरण मिशन को देखते हुए छात्रा को एक घंटे का चौकी प्रभारी बनाया गया। जिसमे दो मामलों का निस्तारण भी हुआ। और सभी महिलाओ को संदेश देते हुए कहा कि मनचलों से डरने की कतई जरूरत नही है। क्योंकि नारी शक्ति दीदी आपके घर ङ्क घर तक पुलिस के माध्यम से पहुंच रही है।

किसान की बेटी बोली की पिता को न्याय दिलवाने के लिए कमिश्नर कार्यालय के बाहर बैठूंगी

कानपुर। आत्महत्या को 62 दिन बीतने पर आज दिवंगत किसान बाबू सिंह यादव की पत्नी बिटान, बेटी रूबी और काजल ने सपा नेता और न्याय संघर्ष समिति के संयोजक अभिमन्यु गुप्ता के साथ कानपुर के पुलिस कमिश्नर आरके स्वर्णकार से मुलाकात करते हुए उनको अनाथ बनाने वाले फरार इनामी प्रियरंजन अंशु, शिवम चौहान, बबलू और जीतेंद्र पर 83 की कार्यवाही की मांग के साथ मुख्य आरोपी भाजपा नेता प्रियरंजन आशु पर झूठा शपथ पत्र देने का मुकदमा भी दर्ज करने की मांग की ।बड़ी बेटी रूबी ने, जो कई दिनों से पिता को न्याय दिलवाने के लिए नंगे पांव चलती है, पुलिस कमिश्नर से कहा की यदि आरोपियों पर 83 की कार्यवाही नहीं हुई तो वो कमिश्नर कार्यालय के बाहर ही बैठ जाएगी ।रूबी ने कहा की विधायक के भाई पर तत्काल मुकदमा दर्ज हो जाता है पर झूठे शपथ पत्र का मुकदमा अभी तक प्रियरंजन आशु पर नहीं हो रहा क्योंकि वो भाजपा का नेता है शायद। छोटी बेटी काजल ने कहा की पिछले 10 दिनों में हमारी ये तीसरी मुलाकात आप से है पर अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं हुआ ।बेटियों ने कहा की हमें लगता है की हम अपने कानूनी अधिकार की जगह भीख मांग रहे हैं ।जो तेजी अन्य लोगों के मामलों में होती है ऐसी कोई कार्यवाही हमको न्याय दिलवाने के लिए नहीं दिखती ।प्रियरंजन आशु सीधे पुलिस को चुनौती देने का काम कर रहा है ।रूबी और काजल ने कहा की बेटियों को तो लक्ष्मी कहा जाता है पर हमें न्याय के लिए भीख मांगनी पड़ रही है ।पुलिस कमिश्नर आरके स्वर्णकार ने जब 83 के लिए कहा की पहले ही हम आवेदन दे चुके हैं वो अब न्यायालय का काम है तो इसपर बेटियों ने कहा की पुलिस चाहे तो ठीक से पैरवी करके आज ही 83 ले सकती है ।बेटियों ने कहा सब पुलिस की शैली पर ही निर्भर करता है ।आप चाह लेंगे तो न्याय मिल जाएगा वरना हम तो रोज सर पटकते ही रहेंगे ।बेटियों ने कमिश्नर से पुन: आग्रह किया की वे आज ही 83 के लिए मजबूत पैरवी करें और प्रियरंजन आशु पर झूठे शपथ पत्र का मुकदमा दर्ज करवाने का निर्देश दें ।सपा नेता और न्याय संघर्ष समिति के संयोजक अभिमन्यु गुप्ता ने कहा की बेटी नंगे पांव रोज दर दर न्याय के लिए भटकने को मजबूर हैं ।बेटियों को न्याय मिलना चाहिए ।पुलिस कमिश्नर ने कहा की मैं 83 लेने के लिए मजबूत पैरवी करने और झूठे शपथ पत्र पर मुकदमा दर्ज करने के लिए निर्देश अभी दे रहा हूं।

वैरिकोज वेन्स की समस्या को दूर करने में मदद करेंगे ये योगासन

वैरिकोज वेन्स के लिए मत्स्यासन को एक बहुत अच्छा आसन माना गया है, क्योंकि यह एक साथ कई प्रणालियों पर काम करता है। मत्स्यासन आपके पैरों को स्ट्रेच करता है, तनाव और ऐंठन से राहत दिलाता है। साथ ही, इससे पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है।वैरिकोज वेन्स एक ऐसी समस्या है, जिसे लोग बहुत अधिक गंभीरता से नहीं लेते हैं। इसमें बाहर से ही उभरी हुई नीली नसें नजर आने लगती है। कई लोगों को इसके कारण असुविधा व दर्द का सामना करना पड़ता है। अधिकतर वैरिकोज वेन्स में उभरी हुई नसें पैरों में दिखाई देती हैं, जिससे पैरों में दर्द के साथ-साथ भारीपन भी महसूस होता है। कई बार लोगों को जलन के साथ-साथ मांसपेशियों में ऐंठन और पैरों के निचले हिस्से में सूजन भी हो जाती है। इस समस्या से बचने से ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने के साथ-साथ मसल्स को टोन करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में एक्सरसाइज करना एक अच्छा उपाय है। हालांकि, अगर आप हैवी वर्कआउट नहीं करना चाहते हैं तो ऐसे में कुछ योगासन करके भी अपनी स्थिति में सुधार कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसनों के बारे में बता रहे हैं-

मत्स्यासन

वैरिकोज वेन्स के लिए मत्स्यासन को एक बहुत अच्छा आसन माना गया है, क्योंकि यह एक साथ कई प्रणालियों पर काम करता है। मत्स्यासन आपके पैरों को स्ट्रेच करता है, तनाव और ऐंठन से राहत दिलाता है। साथ ही, इससे पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है।

करने का तरीका-

सबसे पहले आप अपने अपने पैरों को फैलाकर पीठ के बल मैट पर लेट जाएं। अब अपने फोरआर्म और कोहनियों को फर्श पर प्रेस करें। साथ ही, अपनी छाती को उठाएं। लेकिन आपका सिर जमीन पर ही टिका होना चाहिए।आपको ऊपरी पीठ और गर्दन में आर्च महसूस होना चाहिए। इस स्थिति में कुछ सेकंड रुकें और फिर सामान्य अवस्था में लौट आएं।

पवनमुक्तासन

वैरिकोज वेन्स की समस्या होने पर पवनमुक्तासन करना भी एक अच्छा आसन है। खासतौर से, अगर आपका लाइफस्टाइल एक्टिव नहीं है तो ऐसे में यह आपको विशेष रूप से लाभ पहुंचाएगा। पवनमुक्तासन ऐंठन, सूजन, पीठ के निचले हिस्से में तनाव और थकान से राहत देता है।

करने का तरीका-

सबसे पहले मैट पर पीठ के बल सीधे लेट जाएं।

अब अपने घुटनों को अपने सिर की ओर मोड़ें और उन्हें अपने हाथों की मदद से छाती से टच करने का प्रयास करें। अब आप अपने सिर को फर्श से ऊपर उठाएं और अपनी नाक को अपने घुटनों के बीच ले आएं। गहरी सांस लेते हुए इस आसन में कुछ सेकंड के लिए बने रहें और फिर वापिस सामान्य अवस्था में लौट आएं।

ताड़ासन

ताड़ासन एक बेहद ही आसान लेकिन प्रभावी योगासन है। इसके अभ्यास से आपके शरीर के सभी अंग तनाव मुक्त रहते हैं। जब आप नियमित रूप से ताड़ासन का अभ्यास करते हैं तो आपके घुटने, जांघ और टखने मजबूत होते हैं। इस प्रकार, यह वैरिकोज वेन्स के कारण पैरों में भारीपन को कम करता है। ताड़ासन पैरों की नसों में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है।

कई बीमारियों को दूर करता है जायफल, जानिए इसके बेमिसाल फायदे

जायफल एक ऐसा मसाला है, जिसका इस्तेमाल अधिकतर भारतीय घरों में किसा जाता है। यह स्वभाव में गर्म होता है और इसकी एक अलग महक होती है। आमतौर पर, इसे घिसकर इस्तेमाल किया जाता है। यह ना केवल आपके खाने को एक बेहतरीन स्वाद देता है, बल्कि इसे सेहत के लिए भी उतना ही लाभकारी माना जाता है। जायफल पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें मैग्नीशियम, मैंगनीज और कॉपर जैसे मिनरल्स और विटामिन जैसे बी1, बी6, आदि पाए जाते हैं।

इसकी खासियत यह भी है कि यह कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स को दूर करने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको जायफल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में बता रहे हैं-जायफल को ब्रेन हेल्थ के लिए काफी अच्छा माना जाता है। यह ना केवल तनाव को कम करने में मददगार है, बल्कि आपकी एकाग्रता में भी सुधार करता है। हालांकि, जायफल का सेवन करते समय आप ध्यान रखें कि आप इसे कम मात्रा में ही लें। अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से आपकी हेल्थ पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

अगर आप अपने हार्ट को लंबे समय तक ऐसे ही हेल्दी बनाए रखना चाहते हैं तो आप जायफल का सेवन कर सकते हैं। यह ना केवल ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है, बल्कि हार्ट फंक्शनिंग को भी इंप्रूव करता है। लेकिन अगर आप पहले से ही किसी हार्ट प्रॉब्लम से जूझ रहे हैं और दवाइयां ले रहे हैं तो ऐसे में जायफल का सेवन करने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह अवश्य लें।

अच्छी नींद में सहायक

हेल्दी रहने के लिए अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आप अनिद्रा जैसी समस्या से परेशान हैं तो आपको जायफल का सेवन करना चाहिए। यह सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ा सकता है जिससे आपको खुद को रिलैक्स करने में मदद मिलती है। मुंह व सांसों से आने वाली बदबू को दूर करने में जायफल का तेल बेहद कारगर है। इसमें एंटीसेप्टिक गुण होते हैं और यह दांतों के दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को ठीक करने में मदद कर सकता है। यही कारण है कि जायफल के तेल को कई कंपनियां अपने टूथपेस्ट में भी शामिल करती हैं।

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

जायफल को पाचन संबंधी समस्याओं जैसे कब्ज, दस्त, पेट फूलना आदि समस्याओं को दूर करने में सहायक है। जायफल एक पाचन टॉनिक के रूप में कार्य कर सकता है। हालांकि, जायफल के इन प्रभावों को अभी तक सिद्ध नहीं किया गया है, इसलिए किसी भी पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें।

कीटो डाइट पर हैं आप तो इन टिप्स को करें फॉलो

यह तो हम सभी जानते हैं कि कीटो डाइट में फैट कंटेंट को बढ़ाया जाता है। लेकिन फैट कंटेंट बढ़ाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप आवश्यकता से अधिक खाना शुरू कर दें। बस आपको यह ध्यान रखना है कि आप अपनी भूख को ठीक से तृप्त करें और बिल्कुल भी भूखे न रहें।आज के समय में वजन कम करने के लिए हम तरह-तरह की डाइट फॉलो करते हैं। इन्हीं में से एक है कीटो डाइट। यह पिछले कुछ समय में बेहद पॉपुलर हुई है और अब पूरे विश्व में लोग वेट लॉस के लिए इस डाइट को फॉलो करने लगे है। इस तरह की डाइट में कार्ब्स को कम किया जाता है और फैट कंटेंट को बढ़ाया जाता है। अक्सर लोग इस डाइट को फॉलो करना तो शुरू करते हैं, लेकिन उन्हें जल्द ही कीटोसिस में रहने में समस्या होती है। लेकिन अगर आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो करते हैं तो इससे आपको अधिक बेहतर रिजल्ट मिल पाते हैं- जब आप कीटो डाइट पर हैं, तो यह बेहद आवश्यक है कि आप पानी पर्याप्त मात्रा में पीएं। दरअसल, यह एक लो कार्ब डाइट है, इसलिए इसमें फ्लूइड का स्राव ज्यादा होता है। इस तरह जब आप पयार्प्त पानी पीते हैं तो इससे आपको खुद को हाइड्रेट रखने में मदद मिलती है। आप कीटो डाइट में खीरा, लेट्यूस, पालक और केल जैसे हाइड्रेटिंग खाद्य पदार्थ भी शामिल कर सकते हैं, क्योंकि इनमें कैलोरी भी कम होती है। साथ ही, पर्याप्त पानी पीने से आपकी क्रेविंग भी कम होती है।

यह तो हम सभी जानते हैं कि कीटो डाइट में फैट कंटेंट को बढ़ाया जाता है। लेकिन फैट कंटेंट बढ़ाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप आवश्यकता से अधिक खाना शुरू कर दें। बस आपको यह ध्यान रखना है कि आप अपनी भूख को ठीक से तृप्त करें और बिल्कुल भी भूखे न रहें। इस डाइट में प्रोसेस्ड और ट्रांस फैट का सेवन ना करें। इसके स्थान पर आप घर का बना मक्खन, घी, एवोकाडो, नारियल का तेल, पनीर, जैतून का तेल और बादाम का तेल आदि को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। अगर आप पहली बार कीटो डाइट फॉलो कर रहे हैं तो यकीनन आपके लिए सही फूड विकल्प का चयन करना काफी मुश्किल होगा। अनजाने में हम ऐसी कई सब्जियों का भी सेवन कर लेते हैं, जिन्हें कीटोसिस में नहीं खाना चाहिए। आलू, मक्का, मटर, कद्दू और बीन्स कुछ स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ हैं, जिन्हें आपको कीटोसिस की स्थिति में रहने के लिए बचना चाहिए।जब आप कीटो डाइट फॉलो करना शुरू करते हैं तो ऐसे में प्रारंभ के कुछ दिन आपके लिए बेहद कठिन होते हैं। आपको सिरदर्द, मतली व चक्कर आना जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, कीटो डाइट में रहते हुए आपको थोड़ा धैर्य रखने की जरूरत होती है। आपको वेट लॉस के लिए कुछ दिनों तक सब्र करने की जरूरत होगी। कुछ वक्त बाद ही आपको खुद में बदलाव नजर आने लगेंगे। हालांकि, अगर आपकी प्रॉब्लम बढ़ती जाती है तो ऐसे में आप एक बार डॉक्टर से सलाह अवश्य लें।

जाड़ों में संभलकर करें मूंगफली का सेवन, हो सकती हैं कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं

सर्दियों की खिली-खिली धूप में मूंगफली खाना सबको पसंद होता है। मूंगफली ना सिर्फ खाने में स्वादिष्ट लगती है बल्कि यह हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। मूंगफली में आयरन, कैल्शियम, जिंक, प्रोटीन, विटामिन ई और विटामिन बी 6 जैसे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। मूंगफली में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स हमारी त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद है। लेकिन अक्सर हम स्वाद-स्वाद में जरूरत से ज़्यादा मूंगफली खा लेते हैं। डॉक्टर्स के मुताबिक मूंगफली के अत्यधिक सेवन से हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है। यही कारण है कि मूंगफली का सेवन हमेशा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। जरूरत से ज्यादा मात्रा में मूंगफली के सेवन से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि मूंगफली के अत्यधिक सेवन से कौन से नुकसान होते हैं -

लिवर को पहुंचता है नुकसान

ज्यादा मात्रा में मूंगफली का सेवन लिवर के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अधिक मात्रा में मूंगफली खाने से शरीर में अफलेटॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है। यह एक तरह का विषैला पदार्थ होता है जो लिवर संबंधी बीमारियों का कारण बन सकता है।

त्वचा संबंधी समस्याएं

त्वचा अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो आपको मूंगफली के अत्यधिक सेवन से त्वचा संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। ज्यादा मात्रा में मूंगफली खाने से आपको त्वचा पर रैशेज, सूजन और खुजली जैसी समस्याएँ हो सकती हैं।

शरीर में सूजन

मूंगफली में पर्याप्त मात्रा में ओमेगा 6 फैटी एसिड मौजूद होता है जो सेहत के लिए लाभकारी है। लेकिन यह एसिड शरीर में मौजूद ओमेगा 3 की मात्रा को कम कर देता है। ओमेगा 3 हमारे शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। शरीर में ओमेगा 3 की कमी से दिल से जुड़ी बीमारियां और सूजन जैसी समस्याएं होती हैं। इसलिए मूंगफली का सेवन हमेशा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए।

पेट संबंधी समस्याएं

मूँगफली की तासीर गर्म होती है। यही कारण है कि सर्दियों के मौसम में मूंगफली का सेवन फायदेमंद माना जाता है। लेकिन जरूरत से ज्यादा मूंगफली खाने से पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इससे कब्ज, गैस, एसिडिटी और सीने में जलन जैसी पेट से जुड़ी परेशानियाँ हो सकती हैं।

बढ़ता है दिल की बीमारियों का जोखिम

मूंगफली में सैचुरेटेड फैट मौजूद होता है जो हृदय संबंधी बीमारियों का कारण बन सकता है। अधिक मात्रा में सैचुरेटेड फैट के सेवन से हाई कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

बढ़ सकती है अर्थराइटिस की समस्या

मूंगफली में लैक्टिन अधिक मात्रा में पाया जाता है। लैक्टिन हमारे खून में मौजूद शुगर के साथ मिलकर इंफ्लेमेशन पैदा करता है। इससे शरीर में सूजन और दर्द बढ़ सकता है। यही कारण है कि अर्थराइटिस के मरीजों को मूंगफली के सेवन से परहेज करना चाहिए या कम मात्रा में ही इसका सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही लैक्टिन पचाने में भी आसान

दिन की शुरुआत करते हैं कॉफी से तो हो सकती हैं ये खतरनाक बीमारियां

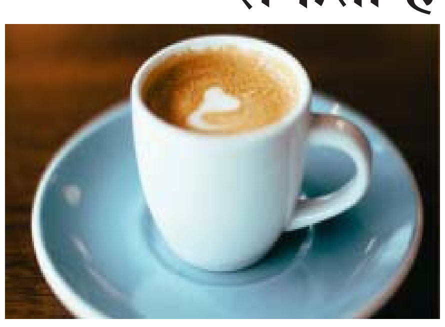

कॉफी की स्ट्रॉन्ग स्मेल और टेस्ट से मन में ताजगी भर उठती है। कई लोग अपने दिन की शुरुआत एक कप कॉफी के साथ करना पसंद करते हैं। कॉफी पीने से नींद भागती है और शरीर में एनर्जी आती है। आजकल की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में लोग कॉफी का अधिक सेवन करते हैं। कोई एग्जाम हो या नाइट शिफ़्ट हो, नींद भगाने के लिए कॉफी का एक कप काफी होता है। सीमित मात्रा में कॉफी पीना हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। लेकिन अगर किसी भी चीज़ का ज़रूरत से ज़्यादा इस्तेमाल किया जाए तो उसके नुकसान भी होते हैं।

कॉफी की स्ट्रॉन्ग स्मेल और टेस्ट से मन में ताजगी भर उठती है। कई लोग अपने दिन की शुरुआत एक कप कॉफी के साथ करना पसंद करते हैं। कॉफी पीने से नींद भागती है और शरीर में एनर्जी आती है। आजकल की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में लोग कॉफी का अधिक सेवन करते हैं। कोई एग्जाम हो या नाइट शिफ्ट हो, नींद भगाने के लिए कॉफी का एक कप काफी होता है। सीमित मात्रा में कॉफी पीना हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। लेकिन अगर किसी भी चीज़ का ज़रूरत से ज़्यादा इस्तेमाल किया जाए तो उसके नुकसान भी होते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, दिन में 3-4 कप से ज़्यादा कॉफी नहीं पीनी चाहिए। ज़्यादा कॉफी पीने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। आज के इस लेख में हम आपको कॉफी से होने वाले नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं-

- ज्यादा मात्रा में कॉफी का सेवन करना हमारे दिल के स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। कॉफी में मौजूद कैफीन से हार्ट रेट बढ़ता है जिससे घबराहट होने लगती है।
- ज्यादा कॉफी पीने से दिल की बीमारियों का जोखिम बढ़ता है।
- ज्यादा कॉफी पीने से किडनी के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। दरअसल, काफी में मौजूद ऑक्सलेट खून में मौजूद कैल्शियम के साथ जुड़कर कैल्शियम ऑक्सलेट बनाता है जिससे किडनी स्टोन की समस्या होती है।
- कॉफी में कैफीन की मात्रा अधिक होती है। ज्यादा कॉफी पीने से दिमाग के लिए उत्तेजक का काम करता है, जिससे नींद नहीं आती है। नींद पूरी न होने के कारण गुस्सा और चिड़चिड़ापन होने लगता है।
- कॉफी का ज्यादा सेवन करने से हमारे मस्तिष्क पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एक अध्ययन में पाया गया कि ज्यादा कॉफी पीने से डिमेंशिया और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है।
- ज्यादा कॉफी पीने से पेट खराब हो सकता है। दिन में 3-4 कप से ज़्यादा कॉफी पीने से पेट में एसिड बढ़ जाता है और डिहाइड्रेशन की समस्या भी हो सकती है। अधिक मात्रा में कॉफी का सेवन करने से अपच, गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है।
- कॉफी का ज्यादा सेवन आपकी सेक्स लाइफ को भी प्रभावित कर सकता है। कॉफी में मौजूद कैफीन से सेक्स ड्राइव कम होती है और इरेक्टाइल डिसफंक्शन जैसे समस्याएं भी हो सकती हैं। ज़्यादा कॉफी पीने से फर्टिलिटी पर बुरा असर होता है और प्रेगनेंसी में बाधा आ सकती है।
- दिन में 2-3 कप से ज्यादा कॉफी पीने से हड्डियाँ कमजोर होने लगती हैं। अधिक मात्रा में कैफीन लेने से हड्डियाँ पतली होने लगती हैं और ऑस्टियोपेरोसिस होने का खतरा भी बढ़ता है।

सिर्फ पत्ता और फूल गोभी में ही नहीं... इन सब्जियों में भी पाए जाते हैं दिमाग को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े

सिर्फ पत्ता और फूल गोभी में ही नहीं... इन सब्जियों में भी पाए जाते हैं दिमाग को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े

गोभी में पाए जाने वाले टेपवर्म के अलावा भी बहुत से कीड़े हैं, जो लोगों के दिमाग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह कीड़े अलग-अलग सब्जियों में पाए जाते हैं। चलिए जानते हैं कौन-कौनसी सब्जियों में दिमाग को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े मौजूद होते हैं।पत्ता गोभी और फूल गोभी में पाए जाने वाले टेपवर्म कीड़े के बारे में सभी जानते होंगे, अगर इसके बारे में नहीं पता तो आज जान लीजिये। गोभी में पाया जाने वाला यह कीड़ा काफी खतरनाक होता है, जो दिमाग में घुसकर उसे नुकसान पहुँचाता है। टेपवर्म इतना पतला और छोटा होता है कि इसे आँखों से नहीं देखा जा सकता है। यह गोभी के सेवन से आंतों में चला जाता है और फिर खून के जरिये दिमाग में घुस जाता है। य इतना ही नहीं सही समय पर इलाज नहीं होने पर पीड़ित व्यक्ति को दौरे पड़ने लगते है और इसके अलावा पूरे शरीर को लकवा भी मार सकता है। गोभी में पाए जाने वाले टेपवर्म के अलावा भी बहुत से कीड़े हैं, जो लोगों के दिमाग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह कीड़े अलग-अलग सब्जियों में पाए जाते हैं। चलिए जानते हैं कौन-कौनसी सब्जियों में दिमाग को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े मौजूद होते हैं।

बैंगन- सर्दियों के मौसम में घरों में हर-दूसरे दिन बैंगन की सब्जी और भड़ता बन जाता है, जो बहुत से लोगों को खाने में बड़ा ही स्वादिष्ट लगता है। आमतौर पर लोग बैंगन में कीड़े नजर आने पर इन्हें हटा देते हैं। मगर आपको यह जानकर हैरानी होगी कि बैंगन के बीजों में टेपवर्म के अंडे हो सकते हैं।

कुंदरू- कुंदरू की सब्जी खाने में कई लोगों को पसंद होती है, लेकिन इसकी वजह से शरीर को गंभीर नुकसान हो सकते हैं। दरअसल, कुंदरू में दिमाग को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े होने की संभावना होती है। इसलिए पीले कुंदरू का सेवन करने से बचें।

परवल- परवल और कुंदरू एक ही तरह की सब्जी होती है। परवल में भी टेपवर्म मिलते हैं, इसलिए इस सब्जी को बनाने से पहले इसके बीज निकाल दें। इसके अलावा अलग किसी परवल में कीड़ें हैं तो उसे सब्जी में इस्तेमाल न करें, नहीं तो आपकी सेहत को नुकसान हो सकता है।

शिमला मिर्च- शिमला मिर्च यकीनन एक बड़ी ही स्वादिष्ट सब्जी है, जो घर के खाने से लेकर स्ट्रीट फूड तक में इस्तेमाल होती है। इस सब्जी में भी टेपवर्म पाए जाते हैं।

कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच करें इन चीजों का सेवन, फेफड़े होंगे मजबूत

कोरोना वायरस के सभी वैरिएंट लोगों के फेफड़ों पर वार करते हैं, इसलिए इस समय में इनका ख्याल रखा जाना सबसे जरुरी हो गया है। फेफड़ों की देखभाल के लिए डाइट में बदलाव करना बेहद जरुरी है। कुछ ऐसी सब्जियां और फल हैं, जो फेफड़ों के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं।

कोरोना वायरस एक बार फिर से दुनियाभर में तबाही मचा रहा है। चीन, ब्राजील, अमेरिका सहित कई देशों में ओमीक्रॉन के नए सब-वैरिएंट बीएफ7 के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसी के साथ इन देशों में धीरे-धीरे मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लग गया है। भारत में भी इस वैरिएंट के चार मामले सामने आ गए हैं, इसी के साथ देशभर में खतरे की आहात सुनाई देने लगी है। कोरोना वायरस के सभी वैरिएंट लोगों के फेफड़ों पर वार करते हैं, इसलिए इस समय में इनका ख्याल रखा जाना सबसे जरुरी हो गया है।सर्दी और प्रदूषण की वजह से पहले ही लोगों के फेफड़ों की हालात ख़राब हो चुकी है, ऐसे में सवाल उठता है कि कैसे इनको सेहतमंद बनाया जाए। फेफड़ों की देखभाल के लिए डाइट में बदलाव करना बेहद जरुरी है। कुछ ऐसी सब्जियां और फल हैं, जो फेफड़ों के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। चलिए हम आपको इनके बारे में बताते हैं।प्याज और लहसुन- ये दोनों चीजें फेफड़ों के इंफेक्शन और सूजन को कम करने के लिए जाने जाते हैं। इतना ही नहीं एक लेख में यह प्रकाशित हो चुका है कि धूम्रपान करने वाले लोग अगर कच्चा लहसुन खाते हैं तो उनमें फेफड़ों की विभिन्न बीमारियों से पीड़ित होने का खतरा करीब 40 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

अदरक और मिर्च- अदरक भी फेफड़ों के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। इसका रोजाना सेवन करने से फेफड़ों की सेहत में काफी सुधार होता है। इसके अलावा मिर्च का सेवन करने से सर्कुलेशन बेहतर होता है और संक्रमण का खतरा भी कम होता है।

अलसी के बीज- अलसी के बीज विटामिन ई से भरपूर होते हैं। विटामिन ई रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जाना जाता है, ऐसे में इसका रोजाना सेवन करना फेफड़ों के लिए काफी अच्छा माना जाता है। अलसी के बीज के अलावा लोग अखरोट का भी सेवन कर सकते हैं।

महिला सभा ने किया महिलाओं को जागरूक

कानपुर, किदवई नगर विधानसभा में भगवती चौपाल लगाकर 2024 के लिए महिलाओं को जागरूक किया सुलेखा यादव महिला सभा नगर अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया! महिलाओं ने भाजपा सरकार में हो रही समस्याओं से नगर अध्यक्ष को

अवगत भी कराया! कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूजा यादव, वंदना तेलंग रणजीत कौर अनीता पासवान सोना उषा , मोनिका शारदा आद्रा खान प्रियंका सैनी इत्यादि महिला उपस्थित हुई!

रोग एवं भय का नाश करने वाले भगवान धन्वंतरि महायज्ञ में दी गई सैकड़ो आहुतियां

कानपुर। धनवंतरी सेवा समिति द्वारा भगवान धन्वंतरि के जन्मोत्सव धनतेरस (राष्टीय आयुर्वेद दिवस) के पावन अवसर पर भगवान धन्वंतरि महायज्ञ मलिक गेस्ट हाउस रामादेवी में दिनांक 10 नवंबर 2023 दिन शुक्रवार आयोजित किया गया जिसमें रोग एवं भय का नाश करने वाले भगवान धन्वंतरि महायज्ञ में सैकड़ो आहुतियां दी गई। विदित हो कि धन्वंतरी भगवान का जन्मोत्सव को धनतेरस के रूप में मनाया जाता है, इस दिन भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर उत्पन्न हुए थे। जिससे सारे लोगों का कल्याण हुआ था। आज भारत के आयुर्वेद एवं योग को पूरा विश्व मना रहा है।

इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम मे औषधिय जड़ी बूटी की प्रदर्शनी लगायी गयी,होम्योपैथिक की मुख्य चिकित्साधिकारी डा मंजू चौरसिया के नेतृत्व में परामर्श केंद्र की सुविधा का लाभ भी काफी संख्या में लोगों ने प्राप्त किया। महायज्ञ कार्यक्रम का उदघाटन स्वामी अरुण चैतन्यपुरी जी महाराज एवं स्वामी अभ्यानंद जी तथा मुख्य अथिति बृजेश कटियार के साथ अध्यक्ष सुखवीर सिंह मलिक, महासचिव अमित श्रीवास्तव, विशेष आमंत्रित आयकर अधिकारी शरद प्रकाश अग्रवाल एवं श्री मती सीमा अग्रवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर शामिल अन्य प्रमुख लोगों में संयोजक अरुण शर्मा, मनोज सेंगर, डा सुरेश चंद्र गुप्ता, सुशील प्रधान, नीलम श्रीवास्तव, अनीता मलिक कविता मिश्रा एवं उनकी टीम, योगेश ठाकुर, सौरभ महाना, नवीन गुप्ता, पवन गुप्ता, जे पी शर्मा, सौरभ मिश्रा, रवि तिवारी, राम प्रकाश कुशवाहा, दिनेश यादव, अरुण श्रीवास्तव, अरविंद दीक्षित आदि गणमान्य लोगों सहित आयुर्वेदिक औषधि निर्माता एवं भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आज के दौर में पैसा और कॅरियर हर व्यक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गए है। ऐसे में लोगों द्वारा तमाम तरह के उपाय भी अपनाए जाते हैं ताकि एक ओर जहां उनका कॅरियर आगे बढ़ता रहे साथ ही उन्हें कभी पैसों की परेशानी का भी सामना न करना पड़ें।

ऐसे कई उपायों के बारे में आप भी जानते ही होंगे। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिसके संबंध में मान्यता है कि इसे अपनाने से व्यक्ति को पूरे जीवनकाल में कभी भी पैसों की तंगी का सामना नहीं करना पड़ता और उसके कॅरियर में भी दिक्कतें नहीं आती।इस संबंध में ज्योतिष के जानकार एके शुक़्ला का कहना है कि हिंदू धर्म में हमेशा से ही सिंदूर का बहुत महत्व है। महिलाएं इससे अपनी मांग भरती हैं। वहीं पूजा-पाठ में भी इसका प्राथमिकता से उपयोग होता है। यह दो प्रकार का होता है, एक नारंगी और दूसरा लाल रंग का। इनमें से हनुमान जी को नारंगी रंग का सिंदूर चढ़ाया जाता है। साथ ही टोटके और तंत्र-मंत्र में भी इसी सिंदूर का इस्तेमाल किया जाता है। मान्यता है कि इस सिंदूर से किए गए उपाय से व्यक्ति की जीवन की सभी परेशानियां दूर होने लगती है। तो चलिए आज जानते हैं सिंदूर के कुछ प्रभावी उपाय-

यदि आप पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो नारियल पर सिंदूर लगाकर उसे लाल कपड़े में बांधकर पूजा करें। फिर मां लक्ष्मी का ध्यान करते हुए नारियल को तिजोरी में रख दें। माना जाता है कि ऐसा करने से कुछ ही दिन में आर्थिक स्थिति सुधरने लगेगी।

वास्तु दोष घर में होने पर तो दरवाजे पर रोज सुबह सिंदूर लगाएं। माना जाता है कि ऐसा करने से नकारात्मकता खत्म होती है। वहीं घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर चढ़ी गणेशी की फोटो भी लगाएं। इससे घर में सुख-शांति और समृद्धि रहती है।

किसी परीक्षा या इंटरव्यू में सफलता पाना चाहते हैं। तो माना जाता है कि गुरु पुष्य योग या शुक्ल पक्ष के पुष्य योग में भगवान गणेश के मंदिर में सिंदूर दान करना सफलता में मदद करता है।

संकटों से छुटकारा पाने के लिए और आने वाले मुसिबतों से बचने के लिए हनुमानजी को पांच मंगलवार और 5 शनिवार को चमेली का तेल और सिंदूर अर्पित करें। गुड और चने के प्रसाद का भोग लगाएं और गरीबों में बांटें।

एक पान के पत्ते में फिटकरी और सिंदूर बांधकर बुधवार की सुबह या शाम को पीपल के पेड़ के नीचे किसी बड़े पत्थर से दबा कर आ जाएं। फिर पीछे पलटकर न देखें। माना जाता

मां लक्ष्मी को खुश करने के लिए करें ये 5 काम

शुक्रवार से ही होने लगेगा धन लाभ

हिंदुओं में साप्ताहिक दिनों के आधार पर शुक्रवार का दिन धन धान्य की देवी माता लक्ष्मी का माना जाता है। इसी कारण शुक्रवार को की गई मां लक्ष्मी की पूजा अत्यंत विशेष मानी जाती है। माना जाता है कि इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी को प्रसन्न करना बहुत ही आसान होता है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन साधारण उपाय करने से भी मां लक्ष्मी अपने भक्त से जल्दी ही खुश हो जाती हैं। इसके अलावा शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने से मनचाही मनोकामना पूरी हो जाती है।
मां लक्ष्मी को इन 5 आसान उपायों से करें

शुक्रवार के दिन लाल रंग के वस्त्र धारण करें और सिंदूर या लाल चंदन से तिलक करें। यह सौभाग्य को बढ़ाता है। मां लक्ष्मी की विशेष कृपा के लिए शुक्रवार के दिन किसी सुहागन स्त्री को सुहाग सामग्री का दान कर सकते हैं। इससे आपके घर में धन की कमी पूरी होगी।

शुक्रवार के दिन सुबह नहाकर बिना पानी पिए शिवलिंग पर दूध और जल चढ़ाएं। इसके साथ ही ऊं नमः शिवाय मंत्र का 108 बार जाप करें। इस मंत्र को कम से कम 108 बार जाप करें। मंत्र जाप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का भी प्रयोग जरूर करें। शुक्रवार का संबंध सीधा शुक्राचार्य से माना जाता है जो असुरों के गुरु थे और भगवान शिव के परम भक्त। इसलिए भगवान शिव की पूजा शुक्रवार के दिन लाभदाई मानी जाती है।

शुक्रवार को 3 कुंवारी कन्याओं को अपने घर बुलाकर खीर खिलाएं तथा उन्हें दक्षिणा (पैसे) तथा पीला वस्त्र देकर विदा करें। इससे मां लक्ष्मी की कृपा अत्यन्त जल्दी प्राप्त होती है और इसके साथ ही धन की भी प्राप्ति होती है।

शुक्रवार के दिन किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को आटा, चावल और सफेद रंग के कपड़े दान करने चाहिए। इससे माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहती है। सफेद वस्तुओं पर शुक्र का प्रभाव होता इसलिए इनका दान शुभ माना गया है।
5. शुक्रवार के दिन पीले कपड़े में पांच पीली कौड़ी तथा थोड़ी की केसर, एक चांदी के सिक्के एक साथ बांधकर अपनी तिजोरी में रखें। इससे कुछ ही दिनों में आपके घर में धन आना शुरु हो जाता है और पुराने कर्जे भी मुक्ति मिलेगी और इसके साथ ही सारी परेशानियां भी दूर होंगी। पंडित सुनील शर्मा के अनुसार शुक्रवार के दिन गाय के सभी अंगों पर किसी न किसी देवी देवता का वास जरूर होता है। एक प्रकार से गाय को पूर्ण रूप में लक्ष्मी का स्वरूप भी माना जाता है। इसलिए गाय की पूजा हर रोज करनी चाहिए जिससे घर में धन की कमी नहीं रहती है। अगर शास्त्रों

के अनुसार देखा जाए अगर कोई हर दिन पूजा नहीं कर पाता है तो उसे शुक्रवार के दिन पूजा जरूर करनी चाहिए। इससे उसकी आर्थिक उन्नति होती है। शुक्रवार के दिन गाय को गुड़ और चना खिलाएं तो उसके लिए बहुत ही फलदाई रहता है और सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

हिंदुओं में साप्ताहिक दिनों के आधार पर शुक्रवार का दिन धन धान्य की देवी माता लक्ष्मी का माना जाता है। इसी कारण शुक्रवार को की गई मां लक्ष्मी की पूजा अत्यंत विशेष मानी जाती है। माना जाता है कि इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी को प्रसन्न करना बहुत ही आसान होता है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन साधारण उपाय करने से भी मां लक्ष्मी अपने भक्त से जल्दी ही खुश हो जाती हैं। इसके अलावा शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने से मनचाही मनोकामना पूरी हो जाती है।

आज चलेगा शनिदेव के दंड का चाबुक

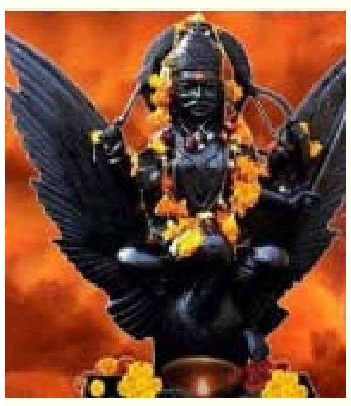

शनिवार, 26 नवंबर 2023 को ज़्या कहते हैं आपके ग्रह व आपकी और आपके अपनों की राशि यहां ये भी जान लें कि जातक की राशि का निर्धारण चंद्र से किया जाता है और जिस स्थान पर चंद्र बैठा है वहीं आपकी राशि होती है और हर राशि का प्रतिनिधित्व एक विशेष ग्रह करता है। इसके अलावा भी इन सभी राशियों पर हर ग्रह का विशेष प्रभाव भी रहता है। यानि जिस राशि में जन्म के समय चंद्र विराजमान है जातक की वहीं राशि होगी। वहीं लगातार ग्रहों होने वाले परिवर्तन यानि ग्रहों की राशि पर पड़ने वाली दृष्टि का प्रभाव सभी राशियों पर पड़ता है। वहीं हर दिन ग्रहों में लगातार बदलाव ही जातक के हर दिन के राशिफल का निर्धारण भी करता है।

मेष राशिफल-- जीवन बहुत छोटा है। समय रहते अपनी गलतियों में सुधार करें। कई दिनों से अटके मसले आज सुलझ सकते हैं। किसी प्रभावकारी व्यक्ति से मुलाक़ात हो सकती है।
वृषभ राशिफल-- चिंता त्यागें जो होगा अच्छा होगा। व्यर्थ सोचना बंद करें। आप के वाक्चातुर्य से कार्य बन जाएंगे। आपके शत्रु नुक्सान पहुंचा सकते हैं, सतर्क रहें। हनुमान जी के सेवा से लाभ होगा।

मिथुन राशिफल-- पड़ोसियों से आज विवाद हो सकता है। स्वास्थ में सुधार के लिए डॉक्टर बदलना पड़ सकता है। मौज मस्ती पर धन खर्च होगा। उपहार मिल सकते हैं। लोगों से संपर्क बढेगा। वाहन सुख संभव।

कर्क राशिफल-- समय की अस्थिरता से परेशान रहेंगे। परिवार में आई समस्या का निदान होगा। रंगमंच से जुड़े जातकों के मान में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर खुशनुमा माहौल रहेगा। धन प्राप्ति के योग है।

सिंह राशिफल-- किसी अनजान पर भरोसा न करें।आज भी कार्य पूरे नहीं हो पाएंगे। खान पान पर नियंत्रण रखें। अचानक आए खर्च से बजट प्रभावित होगा। किसी से अकारण विवाद संभव है।

कन्या राशिफल-- व्यपारिक उन्नति के अवसर हैं। कार्यों में आ रही परेशानी से सहज ही निकल जाएंगे। बर्तन व्यापारियों के लिए समय उपयुक्त है। परोपकारी बनें।

तुला राशिफल-- धैर्य रखें जल्दबाजी में नुकसान हो सकता है। कानूनी कार्यों में उलझ सकते हैं। मामूली बात पर विवाद संभव है। भाई बहनों के साथ समय व्यतीत होगा।

वृश्चिक राशिफल- कार्यस्थल पर आ रही समस्या के निदान के लिए कार्यस्थल पर वास्तु अनुरूप परिवर्तन करें, तुरंत लाभ होगा। हवाई यात्रा के योग बन रहे हैं। पारमार्थिक कार्यों में शामिल होंगे।

धनु राशिफल-बेहतर उन्नति के लिए अपने व्यवहार और कार्य प्रणाली में बदलाव की जरूरत है। एक समय पर एक ही काम करें। अधिकारी वर्ग प्रभावित होगा। विद्युत उपकारण खरीद सकते है।

मकर राशिफल-- ग्रह अनुकूल हैं। आज के दिन आपके कार्यों में गति आएगी। मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम प्रसगों में सफलता मिल सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। समय रहते जरूरी कार्य पूर्ण करें।

कुंभ राशिफल-- आप की सफलता के पीछे आपके परिश्रम के साथ ही कई लोगों की दुआ भी शामिल है। स्वास्थ पर धन खर्च होगा। पारिवारिक आयोजन से दूरियां मिट सकती है। शत्रु वर्ग सक्रिय होगा।

मीन राशिफल-- कानूनी अड़चनें आ सकती हैं। किसी बात से बेचैन रहेंगे। तेल व्यापारी आज ज्यादा मुनाफा कमा सकेंगे। विदेश जाने के योग हैं। नया व्यपार शुरू कर सकते हैं।

धन प्राप्ति के अति विशेष व अचूक उपाय

पैसे को लेकर आज के दौर में हर ओर भाग दौड़ जारी ऐसे में जहां कुछ लोग आसानी से धन अर्जित कर लेते हैं, तो वहीं कुछ लोग तमाम तरह की कठिन से कठिन मेहनत के बावजूद काफी कम पैसा ही कमा पाते हैं। ऐसे में हर किसी के मन में ये प्रश्न उठता ही है कि मैं ज्यादा योग्य था, ज्यादा मेहनती था इसके बावजूद कम योग्य व कम मेहनती व्यक्ति मुझसे आगे निकल गया । या कई बार ऐसा भी देखने को मिला है कि कोई व्यक्ति कम मेहनत के बावजूद जहां भी हाथ डालता है वो जगह पैसा उगलने लगती है जबकि इसके विपरीत कई बार कोशिशों के बावजूद दूसरा व्यक्ति जहां भी हाथ डालता है उसे नाकामी ही हाथ लगती है।
इन स्थितियों के कई कारण होते हैं, इस संबंध में ज्योतिष के जानकार एलके श्रीवास्तव का कहना है कि हर व्यक्ति को यह हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि वह कभी भी किसी से कोई चीज मुफ्त में न लें, यानि जो भी ले उसका मूल्य अवश्य ही चुकाएं, कभी भी किसी व्यक्ति को धोखा देकर धन का संचय न करें, कारण इस तरह से कमाया हुआ धन टिकता नहीं है। ऐसा धन उस व्यक्ति और उसके परिवार के ऊपर कर्ज के रूप में चढ जाता है इसके अलावा ऐसा करने से व्यक्ति के स्वयं के भाग्य और उसके कर्म से आसानी से मिलने वाली सम्प्रद्धि और सफलता में भी हमेशा बाधाएं आती है ।
इसके अलावा प्रत्येक व्यक्ति को चाहे वह अमीर हो या गरीब, उसका जो भी व्यवसाय / नौकरी हो अपनी आय का कुछ भाग प्रति माह धार्मिक कार्यों में अथवा दान पुण्य में अवश्य ही खर्च करना चाहिए, इसका कारण ये है कि ऐसा करने से उस व्यक्ति पर मां लक्ष्मी की सदैव कृपा बनी रहती है, उसके परिवार में हर्ष ङ्क उल्लास और सहयोग का वातावरण बना रहता है और सामान्यतः वह अपने दायित्वों के पूर्ति के लिए पर्याप्त धन अवश्य ही आसानी से कमा लेता है ।

स्त्रियां लक्ष्मी का स्वरूप

स्त्रियों को स्वयं लक्ष्मी का स्वरुप माना गया है । प्रत्येक स्त्री को पूर्ण सम्मान दें । घर की व्यवस्था अपनी पत्नी को सौपें, वही घर को चलाये उसके काम में कभी भी मीन मेख न निकालें । अपने माता पिता को अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा अवश्य ही दें । घर में कोई भी बड़ा काम हो तो उस घर के बड़े बुजुर्गों विशेषकर स्त्रियों को अवश्य ही आगे करें । अपने घर एवं रिश्तेदारी में अपनी पत्नी को अवश्य ही आगे रखें । अपनी माँ, पत्नी, बहन एवं बेटी को हर त्यौहार, जन्मदिवस, एवं शादी की सालगिरह आदि पर कोई न कोई उपहार अवश्य ही दे ।

रात में कभी ये चीजे न खाएं

घर के मुखिया जो अपने घर व्यापार में मां लक्ष्मी की कृपा चाहते है वह रात के समय कभी भी चावल, सत्तू , दही , दूध ,मूली आदि खाने की सफेद चीजों का— सेवन न करें इस नियम का जीवन भर यथासंभव पालन करने से आर्थिक पक्ष हमेशा ही मजबूत बना रहता है ।

शुक्रवार को ये अवश्य करें

शुक्रवार को सवा सौ ग्राम साबुत बासमती चावल और सवा सौ ग्राम ही मिश्री को एक सफेद रुमाल में बांधकर मां लक्ष्मी से अपनी गलतियों की क्षमा मांगते हुए उनसे अपने घर में स्थायी रूप से रहने की प्रार्थना करते हुए उसे नदी की बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें, धीरे धीरे आर्थिक पक्ष मजबूत होता जायेगा ।
माह के किसी भी शुक्रवार के दिन 3 कुंवारी कन्याओं को घर बुलाकर खीर खिलाकर पीला वस्त्र व दक्षिणा देकर विदा करें। इससे मां लक्ष्मी की उस घर पर हमेशा कृपा बनी रहती हैं।

इसे नियम बना लें

घर के पूजा स्थल और तिजोरी में सदैव लाल कपडा बिछा कर रखें और संध्या में आपकी पत्नी या घर की कोई भी स्त्री नियम पूर्वक वहां पर 3 अगरबत्ती जला कर अवश्य ही पूजा करें । इसके अलावा हर पूर्णिमा में नियमपूर्वक साबूदाने की खीर मिश्री और केसर डाल कर बनाये फिर उसे मां लक्ष्मी को अर्पित करते हुए अपने जीवन में चिर स्थाई सुख , सौभाग्य और सम्प्रद्धि की प्रार्थना करें , तत्पश्चात घर के सभी सदस्य उस खीर के प्रशाद का सेवन करें ।

माता पिता को उपहार

हर 6 माह में कम से कम एक बार अपने माता पिता को कोई उपहार अवश्य ही दें इससे आपकी आय में सदैव बरकत रहेगी ।

तुलसी का पौधा

घर में तुलसी का पौधा लगाकर वहां पर संध्या के समय रोजाना घी का दीपक जलाने से माता लक्ष्मी उस घर से कभी भी नहीं जाती है ।

घर में ये करें

शुक्र ग्रह भौतिक सुख के कारक है, इसको मजबूत करने के लिए घर का कुछ हिस्सा कच्चा जरुर रखें ।

घर के मुख्य द्वार पर जल चढ़ाएं

यदि गृह लक्ष्मी प्रतिदिन एक लोटा जल प्रातः घर के मुख्य द्वार पर डाले तो उस घर में धन का आगमन बहुत ही सुगमता से होता है ।

हिन्दू धर्म की सर्वाधिक सम्मानित महिलाओं में से एक देवी अहिल्या भी हैं जिन्हें पंचसतियों में स्थान दिया गया है। वहीं अन्य चार- मंदोदरी, तारा, कुंती और द्रौपदी इसमें शामिल हैं। अहिल्या महर्षि गौतम की पत्नी थीं और देवराज इंद्र के छल के कारण उन्होंने सदियों तक पाषाण बने रहने का दुःख भोगा। बहुत काल के बाद जब श्रीराम महर्षि विश्वामित्र के साथ गौतम ऋषि के आश्रम मे पधारे तब उन्होंने पाषाण रूपी अहिल्या का उद्धार किया।अहिल्या का महत्त्व इसलिए भी अधिक है क्यूंकि उनकी रचना स्वयं परमपिता ब्रह्मा ने की थी और वो उन्हीं की पुत्री मानी गयी। यही कारण है कि उन्हें अयोनिजा भी कहा जाता है। कथा के अनुसार एक बार परमपिता ब्रह्मा के मन में एक ऐसी स्त्री के रचना का विचार आया, जिसमें किसी प्रकार का कोई दोष ना हो। तब उन्होंने अहिल्या की रचना की जो त्रिलोक में सर्वाधिक सुन्दर स्त्री थी। वो इतनी सुन्दर थी कि स्वयं स्वर्ग की अप्सराओं को भी उससे ईर्ष्या होने लगी।
परमपिता ब्रह्मा ने उसका नाम अहिल्या (अ + हल्या), अर्थात जिसमें कोई दोष ना हो, रखा।एक अन्य मान्यता के अनुसार ब्रह्माजी ने उसे चिर यौवन का वरदान दिया और कहा कि वो सदा 16 वर्ष के समान ही रहेगी और उसका कौमार्य कभी भंग नहीं होगा। इसी कारण उसका ये नाम पड़ा क्यूंकि अहिल्या का एक अर्थ ये भी होता है कि वो भूमि जिसे जोता ना गया हो, स्त्री के सन्दर्भ में इसका अर्थ है वो स्त्री जिसका कौमार्य नष्ट ना हुआ हो।
अब ब्रह्माजी को उसके विवाह की चिंता हुई। देवताओं, दैत्यों, मानव, नाग, गन्धर्व ऐसा कोई नहीं था जो अहिल्या से विवाह नहीं करना चाहता था। उन सबसे अधिक अहिल्या को प्राप्त करने की उत्कंठा देवराज इंद्र में थी। उसके विवाह के लिए ब्रह्मदेव ने एक प्रतियोगिता रखी जिसके अनुसार जो कोई भी संसार की परिक्रमा कर सबसे पहले आएगा उसे ही अहिल्या प्राप्त होगी।
सभी लोगों पृथ्वी की परिक्रमा को निकल पड़े, किन्तु महर्षि गौतम ने बुद्धि से काम लिया। उन्होंने कामधेनु गाय की परिक्रमा की और ब्रह्मदेव के पास अहिल्या का हाथ मांगने पहुंचे। उधर सबको परास्त करते हुए देवराज इंद्र भी सबसे पहले पृथ्वी की परिक्रमा कर ब्रह्माजी के पास पहुंचे। दोनों अहिल्या का विवाह उनके साथ करने के लिए ब्रह्मदेव से प्रार्थना करने लगे।तब ब्रह्मदेव ने ये निर्णय लिया कि कामधेनु गाय में समस्त विश्व का वास है और उसकी परिक्रमा कर महर्षि गौतम ने सबसे पहले इस प्रतियोगिता को जीता है इसी कारण अहिल्या का विवाह उनसे ही होगा। ये सुनकर इंद्र को अपार दुःख हुआ किन्तु ब्रह्माजी की आज्ञा के आगे वे क्या कर सकते थे? अहिल्या का विवाह महर्षि गौतम के साथ हो गया, किन्तु इंद्र अहिल्या को भुला नहीं पाए और उन्होंने निश्चय किया कि छल से या बल से, वो अहिल्या को प्राप्त कर के ही रहेंगे।
बहुत काल बीत गया। गौतम और अहिल्या प्रेमपूर्वक जीवन व्यतीत करने लगे। उन दोनों के कई पुत्र हुए जिनमें से शतानन्द ज्येष्ठ थे। बहुत समय बीत चुका था किन्तु इंद्र अभी भी इसी ताक में थे कि किस प्रकार वे अहिल्या को प्राप्त कर सकें। महर्षि गौतम प्रतिदिन मुर्गे की बांग सुनकर उठते थे और नदी तट पर जा कर स्नान कर वापस लौटते थे।उनकी ये दिनचर्या देख कर एक दिन इंद्र ने मध्यरात्रि को ही गौतम ऋषि के आश्रम के बाहर मुर्गे की बांग दी। महर्षि गौतम को लगा कि सूर्योदय हो गया है और वे उठकर स्नान करने चले गए।इंद्र को मौका मिला और वो महर्षि गौतम का वेश धारण कर कुटिया में चले गए और अहिल्या के साथ समागम किया। अहिल्या को इस बात का जरा भी भान नहीं था कि महर्षि गौतम के वेश में वो इंद्र है। उधर नदी पर पहुंच कर महर्षि गौतम को आकाश के तारों को देख कर ये भान हुआ कि अभी रात्रि ही है। तब वे किसी आशंका के बारे में सोचते हुए तत्काल अपने आश्रम की ओर चल पड़े। उधर जब इंद्र आश्रम से निकल रहे थे तभी महर्षि गौतम वहां पहुंचे। अहिल्या ने जब दो-दो महर्षि गौतम को देखा तो वे समझ गयी कि उनके साथ छल हुआ है। इंद्र तत्काल वहां से पलायन कर गए किन्तु महर्षि गौतम ने अपनी दिव्य दृष्टि से जान लिया कि वो इंद्र ही थे।तब क्रोध में आकर महर्षि गौतम ने इंद्र को नपुंसक हो जाने का श्राप दे दिया। जब वे इंद्रलोक पहुंचे तो इसके बारे में अन्य देवताओं को बताया। तब सभी देवताओं ने उनका उपचार किया जिसके बाद इंद्र मेषवृण कहलाये।
एक अन्य कथा के अनुसार महर्षि गौतम ने इंद्र को एक अन्य श्राप दिया जिससे बचाव के लिए इंद्र ने श्रीहरि की तपस्या की, तपस्या पूर्ण होने के बाद श्रीहरि ने कहा कि वो गौतम ऋषि का श्राप तो पूरी तरह समाप्त नहीं कर सकते किन्तु उन्होंने श्राप में बदलाव करते हुए इंद्र में के शरीर पर 1000 नेत्र बना दिए और तभी से इंद्र सहस्त्राक्ष के नाम से प्रसिद्ध हुए।
इंद्र को श्राप देने के बाद भी गौतम ऋषि का क्रोध कम नहीं हुआ। अहिल्या ने बार-बार उनसे क्षमा याचना की किन्तु फिर भी गौतम ऋषि ने उन्हें श्राप दिया - जिस स्त्री को अपने पति के स्पर्श का ज्ञान भी ना हो वो एक पाषाण की भांति है। इसीलिए तुम तत्काल पाषाण की हो जाओगी। तब अहिल्या ने कहा - स्वामी! आप त्रिकालदर्शी होते हुए भी इंद्र के छल को समझ नहीं पाए फिर मैं तो एक साधारण स्त्री हूँ। यदि मैं इंद्र के छल को समझ ना पायी तो इसमें मेरा क्या दोष?
ये सुनकर महर्षि गौतम का क्रोध कुछ कम हुआ और उन्हें लगा कि उन्होंने अकारण ही अहिल्या को श्राप दे दिया है। तब उन्होंने कहा कि त्रेतायुग के अंतिम चरण में श्रीराम द्वारा तुम्हारा उद्धार होगा और तुम पुनः मुझे प्राप्त करोगी। ये कहकर महर्षि गौतम अपना आश्रम छोड़ दूर तप करने चले गए और अहिल्या श्राप के प्रभाव से एक पाषाण में परिणत हो गयी।

एबीवीपी के छात्रो द्वारा प्रदर्शन के दौरान पुलिस से अभद्रता

कानपुर नगर, एबीवीपी के छात्रों द्वारा वीआईपी रोड, कानपुर स्थित डीएवी महाविधालय परिसर में विधालय के प्रधानाचार्य के विरूद्ध प्रदर्शन किया गया। इस दौरार भारी संख्या में जहां छात्र उपस्थित थे तो वहीं किसी हंगामे की आशंका के चलते पुलिसबल भी मौजूद था।प्राप्त जानकारी के अनुसार एबीवीपी के कार्यकर्ताओं और छात्रों द्वारा जब हंगामा किया जाने लगा तो उन्हे पुलिस द्वारा रोकने की कोशिश की गयी, लेकिन इसी बीच छात्रो व पुलिस में कहा–सुनी शुरू हो गयी। छात्रों ने पुलिस के लिखाफ नारे लगाये तथा पुलिस से अभद्रता की। मौके पर उपस्थित एसीपी कोतवाली रंजीत कुमार के साथ भी धक्का मुक्की की गयी, जिससे वह सडक पर गिर गये। वहीं छात्रों के हंगामें में पुलिए भी बैकफुट पर दिखी तो वहीं छात्रों ने पुलिस को वर्दी उतरवाने तक की धमकी दे डाली, बावजूद इसके भी पुलिस ने हर संभव हंगामें कर रहे छात्रों को शांत कराने की कोशिश की।

भाजपाइयों ने नीतीश कुमार का फूंका पुतला

पूरे देश में महिलाएं सड़कों पर उतर इस्तीफे की कर रही हैं मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी पर लोगों का खास कर महिलाओं का गुस्सा शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। शहर सहित पूरे देश में महिलाएं सड़कों पर उतर अपने गुस्से का इजहार कर उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा पूरे देश मे बिहार के मुख्यमंत्री का पुतला दहन के आव्हान पर शुक्रवार को भाजपा किसान मोर्चा कानपुर दक्षिण के बैनर तले सैकड़ो की संख्या में मौजूद महिलाओं एवं भाजपाइयों ने हाथों में नीतीश के खिलाफ स्लोगन लिखी तख्तियां लिए उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की।नीतीश कुमार के पुतले को लेकर जैसे ही भाजपाई जूही परम पुरवा चौराहा पहुंचे अभद्र टिप्पणी से गुसाईं महिलाएं अपने पैरों की चप्पल- जूता उतार कर पीटने लगी व उनके खिलाफ फिर से जमकर नारे लगाये।इस मौके पर मौजूद भाजपा किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेश त्रिवेदी ने कहा की जनसंख्या नियंत्रण विषय पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं पर जो अपमानजनक टिप्पणी की है वह मुख्यमंत्री जैसे उच्च पद पर बैठे व्यक्ति को कतई शोभा नहीं देता है उन्होंने ऐसा कर मर्यादा तोड़ी है। यह सरासर महिलाओं का अपमान है। जिसे सभ्य समाज में कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। नीतीश ने अभद्र टिप्पणी कर केवल बिहार की ही नही बल्कि पूरे देश की महिलाओं का अपमान किया है।नीतीश कुमार के बयान ने सिद्ध कर दिया है कि विपक्षी नेताओं की महिलाओं के प्रति क्या और कैसी गंदी व घटिया सोच है नीतीश के माफी मांगने के सवाल के जवाब में विधायक महेश त्रिवेदी ने कहा कि नितेश कुमार को सबसे पहले अपने घर पर से माफी मांगनी चाहिए। पुतला दहन में विधायक महेश त्रिवेदी के अलावा प्रमुख रूप से विजेंद्र मक्कड़, पार्षद विद्या वर्मा, प्रकाश वीर आर्य, राजेश श्रीवास्तव, वेद वर्मा, अनिल त्रिपाठी, सुबोध चोपड़ा आदि रहे।

मिट्टी के दीये हो रहे विलुप्त, विदेशी झालरों ने किया कब्जा

मिट्टी के दियों से सजती है मुंडेर,तो दूर होता है अंधकार

बीपीएस न्यूज

कानपुर।सौभाग्य व समृद्धि के प्रतीक भगवान गणेश व माँ लक्ष्मी के पूजन का पर्व अब कोई उम्मीद लेकर नही आता, आधुनिकता के इस दौर मे मिट्टी के दीपक की परम्परा ने कुम्हार समाज के इस परम्परा के व्यसाय ने कमर तोडती नजर आ रही है।इसी कारण व्यसाय ठप्प होता नजर आ रहा है इस दौर में लोगो ने बड़ी बड़ी मूर्ति मां लक्ष्मी व गणेश की लेने के बजाय छोटी छोटी मूर्ति लेते है मंहगाई की मार ने कुम्हार समाज के इस व्यवसाय पर गहरी मार की है। ऐसा नही है कि यह चोट एक दो सालों से लगी हो यह एक दशक से बराबर लगी चली आ रही है जहाँ कुम्हार समाज के सामने मुसीबत खड़ी हुई है। आम आदमी भी इस मंहगाई से बच नही पाया है वैसे महंगाई के अलावा आधुनिक तकनीक से बने सामान भी कुम्हार समाज के व्यसाय के लिए मुसीबत साबित हो रहे है।इस दौर में चाइना झालर व अन्य वस्तुओं का इस्तेमाल करने लगा एक दशक पहले लोगो को सिर्फ मिट्टी के दीपक का इस्तेमाल करने में रुचि थी।आधुनिक युग की मार ने कई कुम्हार समाज की त्योहार को फीका कर दिया है । दिलीप प्रजापति ने बताया कि कुम्हारो के व्यसाय को चोट जरूर आधुनिक युग की वजह से लगी है ।फिर भी पुरानी रीति रिवाज की वजह से लोगो को मिटटी की मूर्ति व बर्तन लेने पड़ते है।अब तो कुम्हार समाज के यहाँ एक दो दिनो तक बर्तन बनाने का काम चलता है कई वर्षो पहले महीनों पहले तैयारियां करनी पड़ती थी। अब कुछ दिनों में ही पूरा हो जाता है। पहले शहरवाले भी माल को ले जाते थे। ऐसा कहना भी अभी सही नही है कि आगे समय मे मिट्टी की मूर्तियों का चलन समाप्त हो जायेगा।जबसे चाइनीज़ सस्ते और आकर्षक झालरों और रंगीन मोमबत्तियां मार्केट में आ गई, कुम्हार समाज का व्यापार पर काफी फर्क पड़ गया लोगो का रुझान चाइनीज़ चकाचौंध करने वालो पर ज्यादा ध्यान आकर्षित होने से मिट्टी का व्यापार लगभग समाप्ति पर है। दीपावली में मिट्टी के दीए महत्वपूर्ण माने जाते है जिसे बनाने का कार्य कुम्हार समाज करते है।मिट्टी के दीए बनाते है ताकि दीपोत्सव में हर घर में दिए जलाय जा सके चारो तरफ रोशनी हो और मा लक्ष्मी की पूजा की जा सके ये कार्य कुम्हार समाज सदियों से करते आ रहे है और दीपोत्सव का पर्व जैसे जैसे नजदीक आता है उनका कार्य जोरो पर होता है पुरा परिवार जुटकर इस कार्य को करते है उनके इस कार्य के कारण ही हर घर में मिट्टी के दीप जलाए जाते है क्षेत्र में इनकी आबादी लगभग 40से 50 की होगी जो अब मिट्टी की किल्लत होने से मजदूरी पर मजबुर है तो कुछ लोग अभी भी कर रहे है इसी से अपनी दो वक्त की रोटी का गुज़ारा कर रहे है।

फिलिपींस में प्रदेश को मिले तीन मेडल में शहर के आनंद को पदक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। न्यू क्लार्क सिटी एथलेटिक स्टेडियम फिलिपींस में 8 से 12 नवंबर तक आयोजित 32 वी. एशियाई मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप मे 9 व 10 नवंबर को आयोजित डिसकस थ्रो प्रतियोगिता में कानपुर के आनंद शाह ने 41.75 मी डिस्कस फेक कर रजत पदक एवं हरदोई के समरजीत सिंह ने 110 मीटर हर्डल रेस में रजत तथा मेरठ के धर्मेंद्र कुमार ने 53.27 मीटर दूर भाला फेंक कर चांदी प्राप्त करने के साथ ही शहर के साथ प्रदेश का नाम विदेशी सरजमीं पर रोशन किया। यह जानकारी कानपुर मास्टर्स एथलेटिक एसोसिएशन के सचिव विनय अवस्थी ने दी। उनकी इस उपलब्धि पर संजय सिंह, राजेश सिंह, सत्येंद्र पांडेय, संटी सिंह, विमल पांडेय, श्याम सिंह, मुरली पाठक, अजय शर्मा आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

गंगा टास्क फोर्स ने रेड ईगल स्कूल में बच्चों को वितरित किए हर्बल पौधे

कानपुर।भारतीय सेना की 137 सी ई टी एफ टी ए बटालियन 39 गोरखा राइफल गंगा टास्क फोर्स ने रेड ईगल स्कूल कानपुर कैंट में जागरूकता अभियान चलाया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि अंजू मंडल स्कूल प्रिंसिपल और गंगा टास्क फोर्स के सूबेदार ललित मोहन एवं अन्य जवान उपस्थित रहे।इस अवसर पर गंगा टास्क फोर्स एवं स्कूल के छात्रों ने मिलकर स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया तथा स्कूली छात्रों को हर्बल के पौधे वितरित किए गए।गंगा टास्क फोर्स के सूबेदार ललित मोहन ने बताया कि वृक्षारोपण यानी वृक्ष लगाना प्रकृति को संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए और मानव जीवन के लिए पेड़ पौधे का होना अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है पेड़ पौधों के द्वारा ही हमें ऑक्सीजन प्राप्त होता है जिससे मानव जीवन संभव है इसलिए हमारे लिए वृक्षारोपण बहुत जरूरी है।

शंखनाद में बिखेरा गया साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का जलवा

कानपुर नगर, एआईटीएच में वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव शंखनाद का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के दूसरे दिन तकनीकी, साहित्यिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का जलवा बिखेरा गया। महोत्सव के अतंर्गत तकनीकी प्रतिस्पर्धा में कप्यूटर साइंस एवं इंीनियरिंग तथा इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजीज विभाग द्वारा द बग, द एस्पायर, हैकथॉन आदि तथा इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा रोबो बाद, एलएफआर, रोबो रेस आदि तथा केमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हाइड्रो क्रेन, स्पोनिफाई, पोस्टर प्रेजेंटेशन आदि के साथ ही बायो टेक्नोलॉजीज विभाग द्वारा बायो ट्रेजर हंट, बयो बज, माइक्रोफ्लोरा, ब्रेनोमिक्स, बायों नांजा आदि टेक्निकल प्रतिस्पर्धा सकुशल रूप से कराये गये।

डीएम ने खुले में कूड़ा फैलाने वालों के ऊपर जुर्माना लगाए जाने दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर।जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) मैनेजमेन्ट समिति/जिला स्वच्छता समिति, सामूहिक विवाह योजना, जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय से संचालित हॉट कुक्ड मील योजना संचालन की स्थिति, गौवंश आश्रय स्थलों के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न हुई।जनपद में लक्षित मॉडल ग्रामों के सापेक्ष कुल 112 ग्रामों को ओ0डी0एफ0 प्लस के मॉडल श्रेणी में घोषित किया जा चुका है। सामूहिक विवाह योजना हेतु शासन द्वारा 2168 का लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 203 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। हॉट कुक्ड मील योजना के अंतर्गत प्रतिदिन पकाया हुआ भोजन आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने वाले बच्चों को उपलब्ध कराया जाएगा। विकास खंड– कल्याणपुर, सरसौल एवं चौबेपुर में 05–05 एवं शेष विकास खंडों में 01–01 मॉडल ग्राम पंचायतों का चयन कर वेस्ट टू रिसोर्स/ग्राम पंचायत में आय के संसाधन बढ़ाए जाने एवं उक्त ग्राम पंचायतों में रेवेन्यू मॉडल बनाए जाने के निर्देश दिए गए। जिला स्वच्छता समिति की बैठक के दौरान ग्राम पंचायतों में घर–घर कूड़ा कलेक्शन हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया जाए तथा स्वच्छता शुल्क के रूप में ग्राम पंचायतों के घरों में 01 रू प्रतिदिवस तथा अन्य दुकानों, संस्थाओं एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कूड़े का आकलन करते हुए स्वच्छता शुल्क नियमानुसार निर्धारित किया जाए। साथ ही खुले में कूड़ा फैलाने वालों के ऊपर जुर्माना लगाए जाने के निर्देश दिए गए। विकास खंड कल्याणपुर, ककवन, चौबेपुर, शिवराजपुर में सामूहिक विवाह योजनांतर्गत अत्यधिक कम आवेदन प्राप्त होने के कारण समस्त खंडविकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष आवेदन कराए जाने हेतु विशेष प्रयास किए जाएं तथा सामूहित विवाह कराए जाने हेतु कार्यक्रम स्थल के चयन के साथ–साथ विवाहित जोड़ों को विवाह के उपरांत दी जाने वाली सामान को एक माह के अंदर क्रय किया जाना सुनिश्चित करें। जिला समाज कल्याण अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सामूहिक विवाह योजनांतर्गत प्राप्त आवेदनों का सत्यापन तथा स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही निर्धारित समयांतर्गत की जाए। सभी खंड विकास अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनपद में निर्माणाधीन 17 गौवंश आश्रय स्थलों को इस माह के अंत तक प्रत्येक दशा में पूर्ण करा लिया जाए।अन्यथा की स्थिति में संबंधित खंड विकास अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही संस्थित की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार, उपायुक्त श्रम रोजगार रमेश सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर आदि अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अपने मर्डर केस की सुनवाई में पहुंचा लड़का, बोला- 'जज साहब मैं जिंदा हूं,' ; हैरान कर देगा मामला

सुप्रीम कोर्ट से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. जहां अपने ही मर्डर केस की सुनवाई में एक बच्चा अदालत पहुंचा तो लोग दंग रह गए. पिछले हफ्ते हुई एक विशेष अनुमति याचिका की सुनवाई के दौरान ये हैरान करने वाला घटनाक्रम सामने आया. सुनवाई के दौरान 11 साल का एक लड़का कोर्ट के सामने हाजिर होकर बोला- 'सर मैं जिंदा हूं.' रिश्तों को शर्मसार करने वाले इस मामले में लड़के ने कोर्ट में यह दावा भी किया है कि उसके पिता ने उसके नाना और मामाओं को उसकी हत्या के मामले में झूठा फंसाया है.

सुप्रीम कोर्ट ने दी ये व्यवस्था-जारी हुए दिशा निर्देश

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक ये मामला पीलीभीत जिले का है. इस याचिका स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगले आदेश तक याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया जाएगा. इस मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 यानी नए साल में होगी. इसके साथ ही कोर्ट ने इस हैरतअंगेज केस में यूपी सरकार, पीलीभीत के एसपी और न्यूरिया थाना प्रभारी को भी नोटिस जारी किया है.

हैरान कर देगा मामला

याचिकाकर्ता के वकील के मुताबिक बच्चे का पिता दहेज के लिए उसकी मां को बेरहमी से पीटता था. इस बच्चे के पैरेंट्स की शादी 2010 में हुई थी. घरेलू झगड़े बढ़ने लगे थे. मार्च 2013 में पिटाई के कारण उसकी मां को गंभीर चोट आई थी. अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी. इसी दौरान यह बच्चा अपने नाना के साथ रह रहा था.

ऐसे बढ़ी कानूनी लड़ाई

इस बीच बच्चे की कस्टडी को लेकर उसके ननिहाल और ददिहाल दोनों पक्षों के बीच तकरार तेज हो गई थी. पिता ने अपने बेटे की कस्टडी मांगी थी. दूसरी ओर बच्चे के नाना ने अपने दामाद के खिलाफ आईपीसी की धारा 304-बी (दहेज हत्या) के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी. यानी दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमे लिखाए थे. जिसके बाद 2023 की शुरुआत में बच्चे के पिता ने उसके नाना और चार मामाओं पर बच्चे के मर्डर का केस दर्ज कराया था. बच्चे के पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने उन पर आईपीसी की धारा 302 (हत्या), धारा 504 (जानबूझकर अपमान) और धारा 506 (आपराधिक धमकी) का मामला दर्ज किया था.

कोर्ट कचहरी के मामलों में बसा बसाया घर बर्बाद हो जाता है. इस केस में लड़के की मां रिश्ते सुधरने की आस में चल बसी. बेटी को खोने का दर्द झेलने वाले परिजन इज्जत की जिंदगी जीने के लिए अदालत से गुहार लगा रहे हैं. इस केस को लेकर वकील ने ये भी कहा कि बच्चे के ननिहाल वालों ने एफआईआर को रद्द कराने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन वहां से उनकी याचिका खारिज हो गई. जिसके बाद जैसे ही इस लड़के का पता चला तो वो किसी तरह सबूत के तौर पर सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा. तब जाकर ये सच्चाई दुनिया के सामने आ पाई.

6 लाख बिजली चोरों को बड़ी राहत, जुर्माने पर 65प्रतिशत की छूट, नोट कर लें ये बात फायदा तभी मिलेगा

यूपी में दीवाली से पहले योगी सरकार ने बिजली चोरी करते पकड़े गए लोगों को बड़ी सहूलियत दी है. सरकार ने अपने इस फैसले से उन्हें सम्मान से जीने का नया मौका दिया है. दरअसल राज्य सरकार ने ऐसे लोगों के बिजली बिल पर ब्याज और जुर्माने में 65त्न की छूट देने का ऐलान किया है. यानी ऐसे उपभोक्ता अब महज 35त्न का जुर्माना भर कर कानूनी पचड़े से मुक्त हो सकते हैं. यानी ऐसा करके ये लोग प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में भी अपना योगदान दे सकते हैं.

तहसील-पुलिस का वसूली नोटिस वापस हो जाएगा, बदनामी का टैग हटेगा

बिजली विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जिन लोगों पर बिजली चोरी का जुर्माना काफी समय से बकाया है, उनसे वसूली की सारी जिम्मेदारी तहसील को दी गई है. जिन बकायेदारों के पास तहसील से रिकवरी नोटिस आया हो वे परेशान न हों. वो कोई भी जो इस ऑफर का लाभ उठाएगा, तो उसके खिलाफ जारी हुआ सरकारी नोटिस भी वापस हो जाएगा. दरअसल बिजली चोरी के जुर्माने में छूट पाने के लिए जैसे ही लोग रजिस्ट्रेशन कराएंगे. तो तहसील की रिकवरी या पुलिस विभाग से भी अगर कोई नोटिस जारी हुआ होगा तो वो वापस हो जाएगा. इस ऑफर में आवेदक को पंजीकरण के समय जुर्माने की 10 फीसदी और बाद में 25 फीसदी रकम जमा करनी होगी.

ऊर्जा मंत्री ने की ऑफर के प्रचार की अपील

यूपी के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बुधवार को लखनऊ के कैंट उपकेंद्र पर पावर कॉर्पोरेशन की एकमुश्त समाधान योजना (ह्र्रस्) का शुभारंभ किया . इस दौरान उन्होंने कैंट उपकेंद्र पर ब्याज माफी के लिए पहला रजिस्ट्रेशन कराने वाली एक महिला को छूट का लाभ देकर उनका बिजली का बिल सौंपा. वहीं अपने विभागीय इंजीनियरों और कर्मचारियों से उन्होंने कहा, 'जिन लोगों के घर व दुकान में बिजली चोरी पकड़ी गई और जुर्माना बाकी है, उन्हें योजना से अवगत कराते हुए छूट का फायदा पहुंचाएं.'

नोट कर लें ये बात तभी मिलेगा फायदा

हालांकि इस छूट का फायदा तभी मिलेगा, जब वो 30 नवंबर तक अपने क्षेत्रीय उपकेंद्र पर पंजीकरण कराकर 35 फीसदी रकम का भुगतान कर देंगे. आपको बताते चलें कि पूरे उत्तर प्रदेश में करीब 6 लाख उपभोक्ता बिजली चोरी करते पकड़े गए हैं. इनमें से कुछ तो रंगे हाथ पकड़े गए थे.

मोदी सरकार की नई सौगात, 27.50 रुपये किलो मिलेगा आटा

दिवाली से पहले, केंद्र सरकार ने ऋभारत आटाऋ नामक एक नई गेहूं आटा योजना का अनावरण किया। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने आटा की बिक्री शुरू करने के लिए सोमवार को दिल्ली के कर्तव्य पथ से 100 मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाई। इस योजना का उद्देश्य खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना और समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को उचित मूल्य पर गेहूं का आटा उपलब्ध कराना है।

भारत आटा क्या है?

भारत आटा एक फोर्टिफाइड गेहूं का आटा है, जो चावल, गेहूं, दालों के मिश्रण से बनाया जाता है। नई योजना को लागू करने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का उपयोग किया जा रहा है, जिससे लक्षित आबादी को उचित मूल्य पर गेहूं के आटे तक सुविधाजनक पहुंच मिल सके। विशेष रूप से, फरवरी में, केंद्रीय भंडार और अन्य सहकारी समितियों को एफसीआई डिपो से तीन एलएमटी गेहूं उठाने और इसे आटे में बदलने के लिए कहा गया था, जिसे बाद में विभिन्न खुदरा दुकानों के माध्यम से उचित मूल्य पर ग्राहकों को बेचा जाएगा। प्रमुख वस्तुओं की खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए, सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने जून से साप्ताहिक ई-नीलामी के माध्यम से ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के तहत आटा मिल मालिकों और छोटे व्यापारियों जैसे थोक खरीदारों को इस महीने 2.87 लाख टन गेहूं बेचा।

क्या है कीमत?

इस पहल से पहले 29.50 रुपये प्रति किलो की दर से 18,000 टन गेहूं के आटे की पायलट बिक्री की गई थी। हालांकि, महंगाई से निपटने के लिए इसे घटाकर 27.50 रुपये कर दिया गया है। गेहूं के आटे की मौजूदा बाजार कीमत गुणवत्ता और स्थान के आधार पर 40-70 रुपये प्रति किलो है। उत्पाद लॉन्च करते समय, गोयल ने कहा कि भारत सरकार ने किसानों और उपभोक्ताओं दोनों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। जब भी हमने देश के लोगों को बढ़ती कीमतों के कारण संघर्ष करते देखा है, हमने खाद्य वस्तुएं खरीदी हैं और उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए उन्हें रियायती कीमतों पर बेचा है।

लोग आटा कहां और कैसे खरीद सकते हैं?

भारत आटा क्रमश: 10 किलोग्राम और 30 किलोग्राम के पैकेट में उपलब्ध होगा और इसे मदर डेयरी, ह्रस्नश्वष्ठ, हृष्टष्टस्न और अन्य सहकारी समितियों के आउटलेट पर बेचा जाएगा। इन्हें इन एजेंसियों द्वारा संचालित 800 मोबाइल वैन और 2,000 आउटलेट के माध्यम से भी वितरित किया जाएगा, जिससे उपभोक्ताओं तक व्यापक पहुंच होगी। आवंटन के बारे में उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार ने कहा कि ह्रस्नश्वष्ठ और हृष्टष्टस्न प्रत्येक को एक लाख टन मिलेगा।

प्रेमिका की मौत की फर्जी कहानी गढ़ने के लिए चाहिए थी एक लाश, कर दी 87 साल की महिला की हत्या

गुजरात के कच्छ जिले के भचाऊ शहर में एक बुजुर्ग महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. पुलिस ने बताया कि 21 वर्षीय एक युवक ने 87 वर्षीय महिला की सिर्फ इसलिए हत्या कर दी क्योंकि वह अपनी प्रेमिका की मौत की कहानी गढ़ने के लिए एक लाश चाहता था.

पुलिस ने बताया, आरोपी राजू छंगा ने अपनी 22 साल की प्रेमिका की मौत की कहानी गढ़ने और विदेश भागने के लिए हत्या की योजना बनाई. अपनी प्रेमिका के समान कद-काठी वाली महिला की तलाश उसे उस बूढ़ी महिला तक ले गई.इससे पहले कि छंगा और उसकी 22 वर्षीय प्रेमिका राधिका छंगा भाग सकें, रविवार को पुलिस ने उन्हें भचाऊ के मांडविवास निवासी जेठी गाला (87) की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया. जेठी गाला अकेले रह रही थीं.पूछताछ के दौरान, छंगा ने कहा कि उसने 3 नवंबर की सुबह महिला का गला घोंट दिया. इसके बाद शव को गहरे नीले रंग के ट्रॉली बैग में पैक किया और अपने पिता के ऑफिस में छिपा दिया.भचाऊ शहर के विशाल कॉम्प्लेक्स में स्थित यह ऑफिस बंद पड़ा था.

रिपोर्ट के मुताबिक कच्छ (पूर्व) के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने बताया, 'आरोपी और राधिका एक ही समुदाय के हैं और दूर के रिश्तेदार हैं.वे एक रिश्ते में थे, लेकिन यह उनके परिवारों के लिए अस्वीकार्य था.इसलिए, दोनों ने भागने का फैसला किया.लेकिन पकड़े जाने के डर से, राजू ने विदेश जाने से पहले राधिका की मौत का नाटक रचने के बारे में सोचा.'

राजू और राधिका ने पहले कब्रिस्तान को खोदा

दोनों ने पहले सामाखियाली शहर में एक कब्रिस्तान के एक हिस्से को इस उम्मीद में खोदा था कि उन्हें हड्डिया मिलेंगी, जिन्हें वे राधिका की हड्डी के रूप में पेश करेंगे.हालांकि, वे असफल रहे और इसके बजाय एक महिला को खोजने का फैसला किया.

बागमार ने कहा, वे उसे मारना चाहते थे, शव को जला देना चाहते थे और पुलिस को बताना चाहते थे कि 'राधिका' की हत्या कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने गाला की पहचान की, जो अकेली रहती थी क्योंकि दो बेटे मुंबई में रहते हैं.3 नवंबर की सुबह, गाला के पड़ोसी ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत लेकर पुलिस से संपर्क किया.जांच करने पर, पुलिस को कुछ भी गायब नहीं मिला, न ही संघर्ष का कोई निशान मिला. इसलिए पुलिस ने मकसद के रूप में डकैती या लूटपाट से इनकार कर दिया.पुलिस ने पास के एक घर से सीसीटीवी फुटेज को स्कैन किया, तो उन्होंने एक व्यक्ति को अपना चेहरा ढंके हुए और ट्रॉली बैग खींचते हुए गाला के घर से बाहर निकलते देखा.इसके बाद पुलिस ने 10 टीमों का गठन किया. शहर भर के सीसीटीवी फुटेज को स्कैन करते हुए, भचाऊ पुलिस निरीक्षक एस जी खंभला को शनिवार को जानकारी मिली कि कस्टम चौराहे पर विशाल कॉम्प्लेक्स में आरोपी के पिता गणेश छंगा की बंद गैस एजेंसी की दुकान से खून रिसता देखा गया.पुलिस उसके पास जब पहुंची, तो गणेश ने पुलिस को बताया कि चाबियां राजू के पास थीं, जिससे संपर्क नहीं हो सका. इसलिए, पुलिस ने ताला तोड़ा और ट्रॉली बैग के अंदर गाला का शव पाया.

भारत के एक दांव से ही निकल गई चीन के हेकड़ी! आग उगलने वाले आज नरम कैसे हो गया ?

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने एक आर्टिकल के जरिए भारत-अमेरिका 2+2 डायलॉग पर रिएक्शन दिया है. भारत-अमेरिका की मीटिंग के बाद ग्लोबल टाइम्स के सुर बदल गए और वो चीन-भारत के रिश्तों की दुहाई देने लगा. मगर इस आर्टिकल में भी उसने भारत के खिलाफ जहर उगला. चीन के ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि चीन भारत को दुश्मन के तौर पर नहीं देखता है. चीन, भारत को समान शर्तों पर निपटने के लिए एक अहम पड़ोसी देश के रूप में देखता है.चीन और भारत के बीच मतभेदों को संभालने का यही सही तरीका है. इसके साथ ही ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि अगर भारत-अमेरिका सहयोग से किसी तीसरे देश के वैध अधिकारों को खतरा नहीं है, तो कोई समस्या नहीं होनी चाहिए. हालांकि, अगर भारत-अमेरिका सहयोग, विशेष रूप से सैन्य और सुरक्षा पक्षों पर, चीन जैसे तीसरे देश के वैध हितों के लिए खतरा पैदा करेगा, तो ये एक गंभीर चिंता की बात होगी. अगर वाशिंगटन में कोई वास्तव में विश्वास करता है कि वो भारत को मना सकते हैं और भारत को अमेरिका के बंधन में बांध सकते हैं, तो उनका ये विश्वास झटके में टूट सकता है और इसका परिणाम सिर्फ विनाश ही होगा.

देश में हिंदुओं की वजह से लोकतंत्र कायम, जावेद अख्तर ने भगवान राम-सीता को बताया सांस्कृतिक विरासत

वरिष्ठ कवि और गीतकार जावेद अख्तर ने गुरुवार को सहिष्णु होने के लिए हिंदू समुदाय की प्रशंसा की और कहा कि भारत में लोकतंत्र हिंदू संस्कृति और परंपरा के कारण मौजूद है। अख्तर ने समाज में असहिष्णुता बढ़ने पर चिंता जताते हुए कहा कि हिंदू उदार और बड़े दिल वाले होते हैं। 78 अख्तर ने कहा कि कुछ लोग हैं जो हमेशा असहिष्णु रहे हैं। हिंदू ऐसे नहीं हैं। उनके पास उदार और बड़े दिल वाले जैसे यह महान गुण है। इसे मत खोएं, अन्यथा आप दूसरों की तरह बन जाएंगे। मुंबई में राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) द्वारा आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम में। इस कार्यक्रम में ठाकरे मौजूद थे।भारतीय मुसलमानों की प्रगतिशील और उदारवादी आवाज़ों में माने जाने वाले अख्तर ने यह भी कहा कि हमने हिंदुओं के जीवन जीने के तरीके से सीखा है। क्या आप इसे छोड़ देंगे? जावेद अख्तर ने आगे कहा कि उन्हें भगवान राम और देवी सीता की भूमि पर जन्म लेने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि वह नास्तिक होते हुए भी राम और सीता को इस देश की संपत्ति मानते हैं। कार्यक्रम में 'जय सिया राम' का नारा लगाने वाले लेखर ने कहा कि रामायण हमारी सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने अभिव्यक्ति की आजादी में गिरावट पर भी चिंता जताई।ब्लॉकबस्टर 'शोले' के बारे में बात करते हुए अख्तर ने कहा कि अगर आज यह फिल्म बनती तो मंदिर में हेमा मालिनी और धर्मेंद्र के डायलॉग पर बहुत बड़ा विवाद होता। यह हिंदू संस्कृति है, यह सभ्यता है। इसने हमें लोकतांत्रिक दृष्टिकोण सिखाया है। इसलिए इस देश में लोकतंत्र है। यह सोचना कि हम सही हैं और बाकी सभी गलत हैं, यह हिंदुओं का काम नहीं है। जिसने भी आपको यह सिखाया है वह गलत है।

जब जबरन साधुओं की जटाएं काटी गई

अयोध्या में पुलिस अधिकारी ने कहा बढ़िया है सरयू में डूब गये

आइए जानते हैं आगे क्या हुआ।30 अक्टूबर को कारसेवा के बाद उन साधुओं के चारों तरफ लोहे के कंटीले तार लगा दिए गए थे। एक नवंबर की रात को ही पूरा इलाका खाली कराया जा चुका था।एक नवंबर 1990 की दोपहर तक उहापोह था कि कल कार्तिक पूर्णिमा को कारसेवा होगी या नहीं। कुछ कारसेवक सीताराम धर्मशाला से स्वामी वामदेव महाराज से मिलने आए। वामदेव ने कहा कि यदि कल कारसेवा होगी तो इसकी सूचना आज शाम चार बजे तक दे दी जाएगी।

अयोध्या। देवोत्थान एकादशी 30 अक्टूबर 1990 के बाद तय हुआ कि कार्तिक पूर्णिमा 2 नवंबर 1990 को फिर से कारसेवा होगी। 30 अक्टूबर को अयोध्या में गोली चली थी और अनेक कारसेवक मारे गए थे। अशोक सिंहल घायल होकर अस्पताल पहुंचे, जहां से वह पुलिस को चकमा देकर निकल चुके थे। एक नवंबर को ही अशोक सिंहल, स्वामी वामदेव, महंत नृत्यगोपाल दास, परमहंस रामचंद्र दास, स्वामी विवेकानंद आदि ने तय किया कि कार्तिक पूर्णिमा को भी कारसेवा जारी रखी जाएगी। यह सूचना उत्तर प्रदेश सीआईडी विभाग से छुपी नहीं थी। खुफिया तंत्र ने फौरन सूचना प्रदेश सरकार को दे दी। शाम तक अर्धसैनिक बलों की कंपनियों के पहुंचने का तांता लग गया। सुरक्षा प्रबंध चौकस कर दिए गए। यूपी पुलिस के महानिदेशक ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया। सेना ने दिन में दो-दो बार फ्लैग मार्च शुरू कर दिया।

एक नवंबर की रात तक सुरक्षा बलों के करीब 50 ट्रक अयोध्या में प्रवेश कर चुके थे। फैजाबाद के अमानीगंज के आगे छह बैरियर और सैकड़ों ड्रम लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया। इन बैरियरों के दोनों तरफ सीमा सुरक्षा बल के जवान मानव दीवार बनाकर खड़े हो गए।

30 अक्टूबर को क्लोज सर्किट कैमरे, सीसीटीवी आदि जो नष्ट हो गए थे, उनकी जगह दूसरे कैमरे लगा दिए गए। रास्ते भर अधिकारियों की गाड़ियां सायरन बजाते दौड़ रही थीं। जन्मभूमि की तरफ जाने वाले रास्तों के हर घर के सामने पुलिस खड़ी हो गई। पता नहीं किस घर में कारसेवक हों। पत्रकारों का प्रवेश रोक दिया गया। श्रृंगार हाट से सरयू नदी की तरफ जाने वाले रास्ते में प्रत्येक दुकान के आगे दो-दो, तीन जवान तैनात हो गए।

कर्फ्यू में ढील का सरकारी नाटक

अभूतपूर्व पुलिसिया किलेबंदी, घेरेबंदी के बीच 2 नवंबर 1990 कार्तिक पूर्णिमा का सूरज निकला। कार्तिक स्नान के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं घरों से निकल पड़ीं। लेकिन राम जन्मभूमि की तरफ जाने की इजाजत किसी को नहीं थी।

अनेक इलाके जहां घरों से निकलने से लोगों को प्रतिबंधित किया गया था। वहां से भी लोग निकले।पुलिस अयोध्या की गलियों, रास्तों से अनजान थी। सुबह के सात बजे पुलिस ने घोषणा किया कि सात से दस बजे तक कर्फ्यू में ढील दिया जा रहा है। जबकि इस ढील को लेकर विहिप पदाधिकारी आशुतोष श्रीवास्तव, अनुराग पांडे कहते हैं कि ढील का नाटक किया गया और श्रीराम जन्म भूमि के तरफ किसी को भी घर से बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी। मणिराम दास छावनी, दिगंबर अखाड़ा के इलाके में कर्फ्यू असरहीन था। हनुमान गढ़ी के इलाके में विशेष सख्ती थी क्योंकि कारसेवक इन्हीं रास्तों से जाने वाले थे।

जब अयोध्या में जवानों ने गोली चलाने से किया इंकार, बाबरी गुंबद पर बंदरों ने पकड़ा भगवा ध्वज

साधुओं की जटाएं काट डाली, रामायण फाड़ डाला

2 नवंबर 1990 की सुबह आठ बज रहे होंगे। सरयू पुल के पास कटरामांझा क्षेत्र में हजारों कारसेवक जमे हुए थे। अनेक साधु धूनी रमाकर बैठे थे और अखंड रामचरित मानस पाठ चल रहा था। साधुओं ने आमरण अनशन कर दिया था। 30 अक्टूबर को कारसेवा के बाद उन साधुओं के चारों तरफ लोहे के कंटीले तार लगा दिए गए थे। एक नवंबर की रात को ही पूरा इलाका खाली कराया जा चुका था।

कारसेवा में वाराणसी से भागलेने गए और अग्रिम मोर्चे पर डटे सुदर्शन जी महाराज कहते हैं कि आमरण अनशन पर बैठे साधुओं को मारपीट कर भगा दिया गया। या जबरन गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अनेक साधुओं की मारपीटाई हुई, उनके बाल काट दिए गए। धुनी नष्ट कर दिया गया। रामायण, रामचरित मानस फाड़ दिया गया। भागते हुए कारसेवकों पर घोड़े दौड़ाए गए। अयोध्या से सटे गोंडा जिले के पुलिस अधीक्षक ने निर्ममता की सारी हदें पार कर दी थी। भागते हुए अनेक कारसेवक सरयू में डूब कर मर गए जो तैरना नहीं जानते थे।

अच्छा है मोक्ष मिल गया...

अलवर से आया एक सिपाही राजस्थान पत्रिका संवाददाता गोपाल शर्मा से कह रहा था कि मैंने बहुत हाथ जोड़ा कि चले जाओ। ये लोग रात को बहुत मारेंगे। नहीं माने और गोंडा के पुलिस अधीक्षक ने निर्ममता का नंगा नाच किया।

सरयू पुल के दूसरी तरफ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी कुर्सी डाले अक्टूबर की गुनगुनी धूप ले रहे थे। हिमाचल प्रदेश से आए एक कारसेवक जो पेशे से डाक्टर थे। वह गिडगिड़ाते हुए पुलिस अधिकारी के पास पहुंचे और सरयू में अपने साथी कारसेवक के डूब जाने की बात बताए।

डाक्टर कारसेवक अपने साथी के डूब जाने से रोने लगे थे। पुलिस के आगे गिड़गिड़ा रहे थे। लेकिन उक्त अधिकारी क्रूर हंसी हंसते हुए बोले- अच्छा तो हुआ। बढ़िया है, उसको मोक्ष मिल गया। डूबने ही तो आए थे।

करीब 9 बजकर 30 मिनट पर पुलिस की गाड़ियों से सूचना बोली जाने लगी कि कर्फ्यू खत्म हो गया है। अपने-अपने घरों में चले जाएं। कारसेवकों के लौटने के लिए बसें तैयार खड़ी हैं। लेकिन इन सूचनाओं से जैसे कारसेवकों को कोई लेना-देना ही नहीं था। जारी रखेंगे। राममंदिर कथा में हम आपको बताएंगे दिगंबर अखाड़े पर किस प्रकार खून की होली खेली गई। कैसे हुई अयोध्या रक्त रंजीत, कारसेवकों को निशाना लगा-लगा कर गोली मारी गई।

यूपी-112 की 200 से अधिक महिलाकर्मियों पर मामला दर्ज

लखनऊ पुलिस ने आपातकालीन हेल्पलाइन यूपी-112 की अनुबंधित महिला कर्मचारियों में से पांच के खिलाफ नामजद और 200 अज्ञात महिलाकर्मियों पर बुधवार को मामला दर्ज किया। एक दिन पहले इन वेतन वृद्धि और नौकरी की सुरक्षा की मांग को लेकर यहां मुख्यालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया था।पुलिस उप निरीक्षक धीरेंद्र प्रताप सिंह की शिकायत पर सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस थाना में यह प्राथमिकी दर्ज की गई। अपर पुलिस उपायुक्त (साउथ जोन) शशांक सिंह ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर भारतीय दंड संहिता की (आईपीसी) की धारा 147 (दंगा करना), 149 (गैर कानूनी सभा का प्रत्येक सदस्य), 188 (पांच से अधिक लोग एकत्रित होने), 283 (सार्वजनिक मार्ग में बाधित) और 341 (गलत ढंग से रोकना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्राथमिकी में नामजद लोगों में हरिश्ता श्रीवास्तव, पूजा सिंह, रीना शर्मा, शशि शामिल हैं और अन्य अज्ञात की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

दिलीप नगर में दिया गया पशुपालन गोष्ठी का प्रशिक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर पशुपालन गोष्टी/ प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।जिसमें सर्दी के मौसम में पशुओं की देखभाल विषयक जानकारी दी गई। केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को बताया कि यह समय सर्दी का प्रारंभ हो रहा है इसमें अपने पशुओं का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि पशुओं को संतुलित आहार जिसमें ऊर्जा,प्रोटीन,खनिज,लवण, पानी, विटामिन व वसा आदि पोषक तत्व मौजूद हों उन्हें देना अति आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि पशुओं का दूध निकालने एवं चारा दाना देने का समय एक जैसा रखना चाहिए तथा राशन में एकाएक बदलाव नहीं करना चाहिए।इसके अलावा पशुओं को प्रतिदिन 50 ग्राम गुड़,10 ग्राम अजवाइन के साथ प्रतिदिन या शीत लहर के दिनों में पशु की नांद में सेधा नमक का ढेला रखें। ताकि पशु जरूरत के अनुसार चाटता रहे। ठंड के दिनों में पशुओं को 50 ग्राम मिनरल मिश्रण एवं 50 ग्राम नमक अवश्य दें। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान,डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉक्टर निमिषा अवस्थी ,डॉक्टर राजेश राय सहित सैकड़ो की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

धनतेरस दिवाली पर इटालियन ज्वैलरी की बाजार में मची धूम

कानपुर। उत्तर प्रदेश ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री पुष्पेंद्र जायसवाल और कोषाध्यक्ष सुरेश गुप्ता प्रदेशाध्यक्ष मुकुल वर्मा ने बताया कि इटालियन ज्वैलरी की धुम मची है हल्के वजन मे चेन सेट 6, 8, 10 ग्राम वजन में उपलब्ध है कुन्दन पोल्की और टेम्पल ज्वैलरी के डिज़ाइन में मौजूद है सोने चाँदी की मार्सडिज औडी बीएमडब्लु जगुवार कार की डिज़ाइन की अगुंठी भी बिक रही है और एक सबसे नई चीज़ हसबैंड वाइफ़ के नाम लिखी हुई सोने की चूडियां भी बाज़ार में आयी हैं जिनकी बहुत ज़्यादा डिमांड है।

महाप्रबंधक ने सीएसडी काउण्टर का किया उद्घाटन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ग्लाइडर्स इण्डिया लिमिटेड की इकाई आयुध पैराशूट निर्माणी (ओपीएफ) में आज धनतेरस के अवसर पर महाप्रबंधक एम.सी. बालासुब्रमणियम ने ओपीएफ में सीएसडी कैपिटल आइटम विस्तार काउण्टर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस एक्सटेंसन काउण्टर के उद्घाटन से ओपीएफ के कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। निर्माणी स्थित सीएसडी कैण्टीन में शुक्रवार को धनतेरस के शुभ अवसर पर एक्सटेंसन काउण्टर का विधिवत् उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर समारोह में संयुक्त महाप्रबंधक एस. बनर्जी, संयुक्त महाप्रबंधक विवेक गुप्ता, संयुक्त महाप्रबंधक एवं कैण्टीन अधिकारी के.के.टोप्पो, कार्य प्रबंधक रूपेश कुमार, कार्य प्रबंधक ओमेश सिन्हा, कार्य प्रबंधक अमरदीप कुमार, सहायक कार्य प्रबंधक वी.आर. रावत, कैण्टीन प्रबंधक के.एन. तिवारी, जेसीएम प्रतिनिधि आर.के. पाराशर, एस.के. साहू, सुधीर त्रिपाठी सहित यूनियन–एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ट्रैफिक पुलिस ने कमर्शियल वाहनों में लगाई पट्टी

कानपुर। यातायात माह 2023 मन्धना चौराहा पर टीआई पश्चिमी जोन राज कुमार मिश्रा व टीएसआई नीरज सिंह द्वारा यातायात संबंधी पंपलेट वितरण कराए गए व कमर्शियल वाहनों में रिफ्लेक्टर पट्टी लगाई गई।

चिकित्सकों ने डाउटर्स डे पर जागरुकता रैली निकाल दिया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश

कानपुर। भारतीय बाल रोग अकादमी एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में डाउटर्स डे के उपलक्ष्य में एक जागरूकता रैली का अयोजन किया गया द्य रैली मेडिकल कॉलेज से प्रारम्भ होकर मोती झील होते हुए राजीव वाटिका में संपन्न हुई। रैली का शुभारंभ प्रो डॉक्टर संजय काला प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज, डॉक्टर विवेक सक्सेना अध्यक्ष आई ए पी, डॉक्टर नंदनी रस्तोगी अध्यक्ष आई एम ए ने किया द्य रैली में लगभग 110 डॉक्टर एवं पैरामेडिकल छात्राएँ शामिल थी रैली में जनमानस को लाउडस्पीकर से संदेश दिया गया। आज की बेटी देश की शान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी अरुण पाठक ने अपना व्याख्यान दिया उन्होंने कहा कि अपनी सोच बदले बेटियों की अपेक्षा ना करें गर्भ में कन्या भ्रूण को न मारे द्य

आईएमए अध्यक्ष डॉ नंदिनी रस्तोगी ने आधुनिक युग में बेटियों द्वारा समाजिक जीवन में पाई गई उपलब्धि को याद दिलाया। इस रैली में सचिव डॉक्टर कुणाल कुणाल सहाय आई एम ए, डॉ ए सी अग्रवाल , डॉ सुरजीत आहूजा , डॉ प्रीती आहूजा, डॉ देव प्रकाश शिवहरे, डॉ महेंद्र सिंह, डॉ सुमन लता वर्मा , डॉ संजय कुमार , डॉ प्रमोद कुमार, डॉ आनंद कुमार , डॉ नीलिमा वर्मा , डॉ सुनीता , डॉ चंदन कुमार पूर्व डीजीएमई डॉक्टर डॉक्टर वीएन त्रिपाठी डॉक्टर योगेश टंडन, डॉक्टर ललित अरोड़ा, डॉक्टर अखिलेश शर्मा, डॉक्टर रोली मोहन, डॉक्टर शालिनी मोहन आदि उपस्थित थेद्य कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अनुराग मल्होत्रा ने किया उन्होंने बताया कि जिस देश में नारी का सम्मान होता है उसी देश का विकास होता है।रैली के अंत मे आई ए पी सचिव डॉक्टर ए के आर्या ने ,डॉ कुणाल सहाय सचिव धन्यवाद दिया।